मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 44 ■ अंक : 86 ■ मंगलवार 9 जून 2026 3 रुपए ■ पृष्ठ 4
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A.
Mobile.:- 9822045566
@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

नर्स के ड्रेस को रिडिजाइन करने की जरूरत : कंगना

ठाणे जिले पर जलसंकट के बादल

- बारवी डैम में मात्र 27.66% पानी शेष
- चिखलोली डैम में 7% पानी

प्रतीकात्मक फोटो

अंबरनाथ. ठाणे जिले को जल का वरदान देने वाले बारवी डैम में पानी का स्तर कम हो गया है. मानसून के बादल तो दिखाई नहीं दे रहे हैं, लेकिन ठाणे जिले पर जलसंकट का बादल छाने लगा है. ठाणे जिले के लाखों लोगों को जलापूर्ति करने वाले बारवी डैम में 8 जून सोमवार सुबह तक 27.66 प्रतिशत पानी बच गया है. ये संकेत ठीक नहीं हैं.

जून के इस महीने में भीषण गर्मी, तीव्र बाष्पीभवन और अल नीनो के प्रभाव के कारण मानसून में हो रही देरी से जलस्तर तेजी से नीचे गिरा है। गरमी, तपती धूप और पानी के ज्यादा खर्च होने से गत वर्ष 8 जून 2025 के मुकाबले 9 प्रतिशत पानी कम है. 2025 में आज ही के दिन डैम में 36.69 फीसदी पानी का भंडारण था. गत वर्ष 61.83 मीटर पानी था. पानी का स्टोरेज 124.35 एमसीएम था. इस वर्ष ये घटकर 93.73 एमसीएम रह गया है. गत वर्ष 8 जून तक 383.00 एमएम बारिश हुई थी. लेकिन इस वर्ष अभी तक बारिश शुरू भी नहीं हुई है. पानी की बचत करके भी बारवी डैम में पानी कम है, जो कि चिंता का विषय है. जल संकट के आसार दिखाई दे रहे हैं.

वहीं अंबरनाथ शहर पूर्व के लगभग 50 हजार लोगों को जलापूर्ति करने वाले चिखलोली डैम में तो पानी केवल 7% रह गया है. शहर पूर्व में हफ्ते में एक दिन पानी की कटौती की जा रही है.

विदित हो कि बारवी डैम से अंबरनाथ, बदलापुर, उल्हासनगर, कल्याण-डोंबिवली महापालिका क्षेत्र, मीरा भायंदर, भिवंडी को जलापूर्ति की जाती है. बारवी डैम पर ज्यादा निर्भर ना रहते हुए उपरोक्त शहरों को चाहिए कि वह भी अपने लिए जलस्त्रोत की तलाश करे वरना आबादी बढ़ती जा रही है और जल स्त्रोत सीमित है. अंबरनाथ ने चिखलोली डैम का निर्माण कुछ वर्षों पूर्व ही किया था. अब उल्हास नदी से शहर को जलापूर्ति करने के लिए करोड़ों रुपए खर्च करके पाइप लाइन से पानी लेने का कार्य जोरों से शुरू है, जो कि शहरवासियों के लिए एक राहत की बात है.

नागरिकों से अपील

- **पानी का संभलकर उपयोग :** पीने के पानी का इस्तेमाल केवल आवश्यक कार्यों के लिए ही करें।
- **बर्बादी पर रोक :** वाहनों को धोने, छतों या आंगनों में पानी छिड़कने जैसे कामों से पूरी तरह बचें।
- **लीकेज ठीक करें :** घरों या सोसायटियों के नलों में किसी भी तरह के लीकेज को तुरंत ठीक करवाएं।

उल्हासनगर में पानी की भारी किल्लत

उल्हासनगर. उल्हासनगर के कैंप नंबर 4 और 5 के हज़ारों लोगों को पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है और लगातार तीसरे दिन भी नल सूखे पड़े हैं, जिससे मनपा प्रशासन के मैनेजमेंट पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। गुरुवार को पानी की सप्लाई बंद होने के बाद, शुक्रवार को पानी बंद होने, उसके बाद डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम में रुकावट और प्लानिंग की कमी ने ऐसी स्थिति पैदा कर दी है कि रविवार दोपहर के बाद भी कई इलाकों में पानी की एक बूंद भी नहीं पहुंची है।

इस पृष्ठभूमि में, 'कायद्याने वागा' के संस्थापक राज असरोंडकर ने मनपा प्रशासन की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने आरोप लगाया कि शहर में हर दिन पानी की सप्लाई तो हो रही है, लेकिन जल आपूर्ति विभाग बंद के दौरान वैकल्पिक व्यवस्था, अतिरिक्त स्टोरेज या प्री-प्लानिंग करने के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा कि महावितरण और MIDC की तकनीकी समस्याओं का खामियाजा हर बार नागरिकों को भुगतना पड़ता है।

बार-बार पानी की कमी के कारण, नागरिकों को बड़ी मात्रा में पानी स्टोर करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जिससे डेंगू, दूषित पानी और दूसरी स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ रहा है। एक तरफ तो लोगों को रेगुलर पानी की सप्लाई नहीं मिल रही है, तो दूसरी तरफ पानी के बिल का बकाया वसूलने के लिए प्रशासन सख्त रवैया अपना रहा है, जिससे लोगों में गहरा गुस्सा है। शहर के पानी सप्लाई सिस्टम में कमियों को दूर करने और लोगों को राहत देने के लिए तुरंत कदम उठाने की मांग अब जोर पकड़ रही है।

राष्ट्रीय महामार्ग पर बढ़ी दुर्घटनाएं

- MLA ने अधिकारियों को आड़े हाथों लिया
- डिपार्टमेंट को दी गई डेडलाइन

उल्हासनगर. म्हारल-वरप-कांबा इलाके से गुजरने वाले नेशनल हाईवे पर बढ़ते हादसों को देखते हुए MLA ने पहल करते हुए प्रशासन को अलर्ट कर दिया है। हाल ही में वरप के पास हुए एक भयानक हादसे में दो युवकों की मौत के बाद नागरिकों की सुरक्षा का मुद्दा सामने आया था। इसे गंभीरता से लेते हुए विधायक ने गांववालों और हाईवे डिपार्टमेंट के अधिकारियों की एक जॉइंट मीटिंग की और उन्हें तुरंत कदम उठाने के निर्देश दिए. साथ ही डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर के साथ नागरिकों की समस्याओं पर फॉलोअप भी शुरू कर दिया है।

इस मीटिंग में गांववालों ने हाईवे के किनारे स्पीड ब्रेकर की कमी, लाइटिंग की खराब व्यवस्था, दिशा-निर्देश बोर्ड की कमी और सफाई जैसी समस्याओं की ओर ध्यान दिलाया।

इस मौके पर MLA ने हाईवे डिपार्टमेंट के अधिकारियों से हर काम की तय टाइम लिमिट जानकर नागरिकों के सामने काम तुरंत पूरा करने का भरोसा दिलाया। अधिकारियों ने एक हफ्ते के अंदर रैम्बलर स्ट्रिप लगाने, डिवाइडर पेंट करने और हाईवे के किनारे जमा कचरा हटाने का भरोसा दिया।

सड़क किनारे बिना इजाज़त के गाड़ियां खड़ी करने से रोकने के लिए ढाबा चलाने वालों को निर्देश देने का भी फ़ैसला किया गया। मीटिंग के दौरान MLA ने ज़िला कलेक्टर श्रीकृष्ण पांचाल से फ़ोन पर बात की और लोगों की परेशानियां बताईं। ज़िला कलेक्टर ने पॉज़िटिव जवाब दिया और मंगलवार को गांववालों के साथ एक खास मीटिंग करने पर सहमति जताई।

बैंक अकाउंट हैक करके 2.5 लाख रुपये की ठगी

अंबरनाथ. अंबरनाथ में दो अलग-अलग बैंक अकाउंट से 1 लाख 98 हज़ार रुपये की ऑनलाइन ठगी की चौंकाने वाली घटना सामने आई है। इस मामले में अंबरनाथ वेस्ट पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है।

बिपिन कुमार त्रिभुवन मिश्रा (39) के HDFC बैंक और ICICI बैंक में अकाउंट हैं। 29 मई, 2026 को दोपहर 3:28 बजे से सुबह 3:35 बजे के बीच उनके बैंक अकाउंट हैक हो गए। मिश्रा को पहले से कोई जानकारी दिए बिना, उनके HDFC बैंक अकाउंट से 99,000 रुपये और 99,000 रुपये, यानी कुल 1,98,000 रुपये ऑनलाइन ट्रांज़ैक्शन के ज़रिए निकाल लिए गए। ठगी का एहसास होने के बाद मिश्रा ने पुलिस से संपर्क किया। शिकायत में कहा गया है कि पैसे बबली जाटव और विवेक संजय राठौड़ नाम के अकाउंट होल्डर्स के अकाउंट में ट्रांसफर किए गए थे। अंबरनाथ वेस्ट पुलिस ने इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट की धारा 66-D के तहत मामला दर्ज किया है.

उल्हासनगर मनपा में डिजिटल बदलाव का नया दौर

- ई-सिस्टम से कामकाज में आएगी पारदर्शिता

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगर पालिका के एडमिनिस्ट्रेशन में डिजिटल बदलाव का एक नया दौर शुरू हो गया है। एक ट्रांसपेरेंट, अकाउंटेबल और ज़्यादा कुशल एडमिनिस्ट्रेशन बनाने की दिशा में एक ज़रूरी कदम उठाया गया है। कमिश्नर मनीषा आव्हाले की लीडरशिप में, मनपा ने एक स्टेट-ऑफ़-द-आर्ट इलेक्ट्रॉनिक ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट सिस्टम लागू किया है और एम्प्लॉई मैनेजमेंट से जुड़े सभी प्रोसेस अब कंप्यूटराइज़्ड होंगे।

सामान्य प्रशासन विभाग की इस पहल से एम्प्लॉई अटेंडेंस, छुट्टी, प्रमोशन, सर्विस रिकॉर्ड, एस्टैब्लिशमेंट मैनेजमेंट; और पेंशन प्रोसेस एक ही इंटीग्रेटेड कंप्यूटर सिस्टम में उपलब्ध होंगे। इससे पेपरवर्क कम होगा और फैसले लेने का प्रोसेस तेज़ होगा। इस नए सिस्टम के तहत, फेशियल रिकग्निशन-बेस्ड अटेंडेंस सिस्टम सीधे पेरोल सिस्टम से जुड़ा है। इससे एम्प्लॉई अटेंडेंस का सही रिकॉर्ड लिया जा सकेगा। मनपा ने पेंशन प्रपोज़ल की प्रोसेसिंग और अप्रूवल को ऑनलाइन कर दिया है। इसमें रिटायर्ड एम्प्लॉई के लिए ज़रूरी डॉक्यूमेंट्स को पूरा करना और अप्रूवल तेज़ी से और आसानी से हो जाएगा। इसके अलावा, प्रमोशन प्रोसेस में ट्रांसपेरेंसी बनाए रखने और समय-समय पर सीनियरिटी का रिव्यू करने के लिए कंट्रोल पैनल पर डिजिटल सीनियरिटी लिस्ट उपलब्ध कराई गई हैं। नगर निगम की इस पहल से एडमिनिस्ट्रेशन को और ज़्यादा स्मार्ट, ट्रांसपेरेंट और नागरिकों के लिए काम करने वाला बनाने में मदद मिलेगी।

> कर्मचारी मैनेजमेंट में सभी प्रोसेस को डिजिटल करने से काम में स्पीड, एक्यूरेसी और ट्रांसपेरेंसी बढ़ेगी। फेस रिकग्निशन बेस्ड अटेंडेंस, ऑनलाइन छुट्टी, प्रमोशन और पेंशन प्रोसेस से इंसानी दखल कम होगा और एडमिनिस्ट्रेशन ज़्यादा स्ट्रीमलाइन्ड होगा।
> – **मनीषा आव्हाले,** कमिश्नर, उल्हासनगर मनपा

अंबरनाथ नपा ने सोमवार बाजार बंद कराया

- अब सोमवार को हफ्तावारी बाजार नहीं लगेगा - नरेंद्र संखे

अंबरनाथ. अंबरनाथ में गत कई वर्षों से पश्चिम में स्टेशन रोड पर लगने वाले हफ्तावारी बाजार सोमवार बाजार को नगर परिषद ने मुख्याधिकारी के आदेश पर बंद करा दिया है. अब ये सोमवार बाजार यहां पर नहीं लगेगा. ऐसा अतिक्रमण विरोधी पथक के अधिकारी नरेंद्र संखे ने कहा है.

शहर पूर्व और पश्चिम में नपा प्रशासन ने फेरीवाला हटाओ मुहिम शुरू किया है. अब रोजाना फेरीवालों, हाथगाड़ी वालों पर कार्रवाई करते हुए उनकी हाथगाड़ी व अन्य सामानों को जब्त किया जा रहा है. अवैध फेरीवालों में हड़कम्प मचा हुआ है. उनका जब्त किया हुआ सामान भी नपा प्रशासन वापस नहीं कर रही है. इसलिए भी फेरीवालों की हिम्मत अब टूट चुकी है. शनिवार, रविवार छुट्टी के दिनों में भी कोई फेरीवाला धंधा ना लगा दे इसके लिए भी सुरक्षा रक्षक तैनात किए गए हैं.

आज सोमवार को भी सुबह में जैसे ही फेरीवालों ने धंधा लगाना शुरू किया, सुरक्षा रक्षकों एवं अतिक्रमण विरोधी पथक ने उन्हें धंधा लगाने नहीं दिया. गत दिनों छाया अस्पताल सड़क पर कई वर्षों से धंधा कर रहे फेरीवालों पर कार्रवाई करते हुए यहां से उन्हें हटा दिया गया. उस समय लेबर फ्रंट यूनियन के पदाधिकारी ओगले ने अपने बयान में कहा था कि स्टेशन रोड पर सोमवार बाजार भी नहीं लगना चाहिए. ये भी अवैध फेरीवाले हैं. मुख्याधिकारी के आदेश पर आज सोमवार बाजार के फेरीवालों पर भी कार्रवाई करते हुए कहा गया है कि अब अंबरनाथ में हफ्तावारी सोमवार बाजार नहीं लगेगा. सोमवार बाजार को स्काई वॉक के ऊपर शुरू करने का मशविरा दिया गया है.

डिप्टी इंजीनियर की मौत दुर्घटना नहीं, हत्या थी?

- एक्सीडेंट नहीं, बल्कि हिट एंड रन का शक
- पत्नी व साले को पुलिस ने लिया हिरासत में

शहापुर. शहापुर के मृदू व जलसंधारण विभाग के डिप्टी इंजीनियर लक्ष्मण मांडले की मौत के मामले में चौंकाने वाला मोड़ आया है। माना जा रहा है कि उनकी मौत सतारा जिले के कराड में एक रोड एक्सीडेंट में हुई थी। पुलिस जांच में इस घटना के पीछे पहले से सोची-समझी साजिश का शक सामने आया है, जो शुरू में एक एक्सीडेंट लग रहा था। पुलिस ने मांडले की पत्नी और साले को हिरासत में ले लिया है।

शहापुर तालुका के मृदू व जलसंधारण विभाग में डिप्टी इंजीनियर के तौर पर काम करने वाले लक्ष्मण मांडले पिछले कुछ सालों से शहापुर में अपने काम की जगह पर अकेले रह रहे थे। चूंकि उनका परिवार कराड में रहता था, इसलिए वह हर हफ्ते शुक्रवार को कराड जाते थे और सोमवार को शहापुर लौटते थे। इसलिए, उनके रेगुलर आने-जाने की आदतें जानी-पहचानी थीं। गुरुवार (5 जून) को मांडले हमेशा की तरह कराड के लिए निकले थे। शनिवार सुबह कराड इलाके में एक तेज रफ्तार कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। शुरुआत में, इस घटना को एक बुरी दुर्घटना के तौर पर देखा गया। लेकिन, पुलिस को शक तब हुआ जब टक्कर के बाद ड्राइवर मौके से भाग गया।

कराड पुलिस ने मौके से मिले सबूतों, इलाके के CCTV फुटेज और दूसरी टेक्निकल जानकारी के आधार पर जांच की दिशा बदल दी। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी, इस बात की संभावना बढ़ गई कि यह मामला कोई मामूली दुर्घटना नहीं बल्कि पहले से तय साजिश का हिस्सा है।

जांच के दौरान मिले अहम सुराग

सूत्रों ने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि मांडले की पत्नी सुरेखा मांडले और साले संग्राम ने हत्या की साजिश रची थी। इसी शक के आधार पर पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। यह भी समझा जा रहा है कि जांच के दौरान कुछ अहम सुराग मिले हैं। इस बीच, पुलिस ने अंदाज़ा लगाया है कि इस साजिश में कुछ और लोग शामिल हो सकते हैं। इसलिए, इस मामले में दूसरे संदिग्धों की तलाश जारी है, और उम्मीद जताई जा रही है कि जांच के अगले फेज में और भी चौंकाने वाली जानकारी सामने आ सकती है। कराड पुलिस मामले की पूरी जांच कर रही है, और अलग-अलग एजेंसियां हत्या के पीछे की सही वजह और साज़िश का पूरा बैकग्राउंड पता लगाने के लिए पूछताछ कर रही हैं।

आगरी सेना प्रमुख राजाराम सालवी का निधन

ठाणे. आगरी सेना के फाउंडर और आगरी समाज के ऑर्गेनाइजेशनल मूवमेंट को दिशा देने वाले राजाराम सालवी का शनिवार शाम को निधन हो गया। वे 83 साल के थे। उनके परिवार में पत्नी, एक बेटा, दो बेटियां, एक बहू और पोते-पोतियां हैं। रविवार को कलवा में उनके पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार किया गया.

राजाराम सालवी कलवा के मनीषानगर इलाके में रहते थे। उन्होंने 1 अगस्त 1986 को आगरी सेना की स्थापना की थी। इस ऑर्गेनाइजेशन के जरिए उन्होंने ठाणे, रायगढ़, पालघर, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जिलों में फैले आगरी समाज को संगठित करने का काम किया। उन्होंने आगरी समाज के साथ-साथ OBC समाज के जायज हकों के लिए अग्रेसिव स्टैंड लिया और कई आंदोलन किए।

उन्होंने मजदूरों के हक के लिए एम्प्लॉई ऑर्गेनाइजेशन 'कामगार एकता' की स्थापना की थी। शहाड़ में सेंचुरी रेयॉन समेत ठाणे जिले की कई फैक्ट्रियों में उनके लीडरशिप में ट्रेड यूनियन काम कर रही हैं। उन्होंने मजदूरों के अलग-अलग मुद्दों के लिए कामयाबी से लड़ाई लड़ी और कई लोगों को इंसाफ दिलाया। इसलिए, समाज सेवा के साथ-साथ उन्होंने मज़दूर आंदोलन में भी बड़ा योगदान दिया। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में भी योगदान दिया और कलवा में मनीषा एजुकेशन इंस्टीट्यूट की स्थापना की। वे राज्य सरकार के OBC कॉर्पोरेशन के प्रेसिडेंट भी रहे। वे समाज कल्याण को प्राथमिकता देने वाले नेता के तौर पर जाने जाते थे।

पिछले कुछ दिनों से उनकी तबीयत ठीक नहीं थी। शनिवार शाम को अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें कलवा के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। हालांकि, मेडिकल जांच के बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शाम करीब 7 बजे उन्होंने आखिरी सांस ली। उनके निधन के बाद, आगरी सेना के कार्यकर्ता, समर्थक और अलग-अलग क्षेत्रों के गणमान्य लोग कलवा में उनके घर पहुंचे।

उल्हासनगर में BLA की मीटिंग

शिवसेना ने संगठन को मज़बूत करने की तैयारी की

उल्हासनगर. उल्हासनगर में शिवसेना ने आने वाले पार्टी काम, संगठन को बढ़ाने और बूथ लेवल पर मज़बूत करने के लिए कमर कस ली है, और इसी सिलसिले में मराठा सेक्शन में शिवसेना सेंट्रल ब्रांच में BLA की एक ज़रूरी मीटिंग हुई। इस मीटिंग में BLA वर्कर्स के किए गए काम का डिटेल में रिव्यू किया गया। साथ ही, हर बूथ पर पार्टी की ताकत बढ़ाने, वोटर्स से लगातार संपर्क बनाए रखने, संगठन की ज़िम्मेदारियों को अच्छे से पूरा करने और भविष्य की प्लानिंग पर गहराई से चर्चा हुई।

इस मौके पर मनपा सभागृह नेता, गट नेता, नगरसेवक और शिवसेना कल्याण उपजिला प्रमुख अरुण आशान ने मौजूद BLA वर्कर्स को गाइड किया और पार्टी संगठन को और मज़बूत करने के लिए ज़रूरी निर्देश दिए। साथ ही, सभी BLA वर्कर्स को ऑफिशियल पहचान पत्र बांटे गए। इस मीटिंग में मौजूद सभी पदाधिकारियों, शिवसैनिकों और वर्कर्स ने पार्टी की सोच और जनसेवा की भावना को और ज़ोर-शोर से आगे बढ़ाने का पक्का इरादा जताया। इस अवसर पर शिक्षा सभापति, नगरसेविका साक्षी सुर्वे, संगीता सकपाले, नगरसेवक चंद्रशेखर यादव, शाखा प्रमुख परेश मलबारी आदि उपस्थित थे।

3,162 स्टूडेंट्स के स्कॉलरशिप और फीस रीइंबर्समेंट एप्लीकेशन पेंडिंग

महाDBT
Maharashtra Goverment Scholarship

ठाणे. महाराष्ट्र सरकार के महाDBT पोर्टल के ज़रिए लागू की गई अलग-अलग स्कॉलरशिप और फीस रीइंबर्समेंट स्कीम के तहत ठाणे ज़िले के अलग-अलग कॉलेजों के 3,162 स्टूडेंट्स के एप्लीकेशन कॉलेज लेवल पर पेंडिंग हैं। इन सभी स्टूडेंट्स को किसी भी तरह का फाइनेंशियल नुकसान न हो, इसके लिए ठाणे सोशल वेलफेयर डिपार्टमेंट के असिस्टेंट कमिश्नर समाधान इंगले ने ज़िले के सभी कॉलेजों को पेंडिंग एप्लीकेशन तुरंत क्लियर करने के लिए ज़रूरी ऑर्डर जारी किए हैं।

महाराष्ट्र सरकार के सोशल जस्टिस डिपार्टमेंट के ज़रिए, अलग-अलग कैटेगरी के स्टूडेंट्स को अलग-अलग एजुकेशनल स्कीम के ज़रिए स्कॉलरशिप और फीस रीइंबर्समेंट का फ़ायदा दिया जाता है। इसके लिए सभी स्टूडेंट्स को कॉलेज एडमिशन के समय सभी डॉक्यूमेंट्स जमा करने होते हैं और स्कॉलरशिप और फीस रीइंबर्समेंट के लिए अप्लाई करना होता है। इसके बाद, पहले एप्लीकेशन की कॉलेज लेवल से स्क्रूटनी करके सोशल जस्टिस डिपार्टमेंट को भेजा जाता है। इसकी पूरी प्रोसेस महाDBT पोर्टल के ज़रिए लागू की जाती है। क्योंकि यह पोर्टल अभी MahaDBT 1.0 से MahaDBT 2.0 में बदला जा रहा है, इसलिए एकेडमिक साल 2018-19 से 2025-26 तक के सभी पेंडिंग एप्लीकेशन को तुरंत मंज़ूरी देने के आदेश दिए गए हैं।

सोशल वेलफेयर डिपार्टमेंट की जानकारी के मुताबिक, जिले के कई कॉलेजों द्वारा स्टूडेंट्स के एप्लीकेशन को समय पर चेक न करने और उनके वेरिफिकेशन और अप्रूवल प्रोसेस को पूरा न करने की वजह से हज़ारों एप्लीकेशन पेंडिंग हैं। इस वजह से, यह आशंका जताई जा रही है कि एलिजिबल स्टूडेंट्स को सरकारी स्कीम का फ़ायदा समय पर मिलने में रुकावटें आ सकती हैं। खासकर आर्थिक रूप से कमज़ोर तबके के स्टूडेंट्स के लिए स्कॉलरशिप और फ़ीस रीइंबर्समेंट स्कीम बहुत ज़रूरी हैं। सोशल वेलफेयर डिपार्टमेंट ने साफ़ किया है कि ऐसे में अगर एप्लीकेशन पेंडिंग रहते हैं, तो स्टूडेंट्स की पढ़ाई का नुकसान होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। इसी बैकग्राउंड में, जिले के अलग-अलग कॉलेजों में पेंडिंग 3,162 स्टूडेंट्स के एप्लीकेशन को तुरंत मंज़ूरी देने के आदेश सभी कॉलेजों को दिए गए हैं।

लापरवाही होने पर संबंधित कॉलेज ज़िम्मेदार

महाDBT पोर्टल 2018-19 से चालू है और इस ज़रूरी डिजिटल सिस्टम का इस्तेमाल अलग-अलग सरकारी स्कीमों का फ़ायदा सीधे स्टूडेंट्स के बैंक अकाउंट में जमा करने के लिए किया जाता है। सरकार का मकसद इस ज़रिए से स्टूडेंट्स को ट्रांसपेरेंट और आसान तरीके से फ़ाइनेंशियल मदद देना है। इसलिए, असिस्टेंट कमिश्नर समाधान इंगले ने साफ़ किया है कि यह संबंधित कॉलेजों की ज़िम्मेदारी है कि कोई भी एलिजिबल स्टूडेंट फ़ायदों से वंचित न रहे। सभी प्रिंसिपल, नोडल ऑफ़िसर और कॉलेज एडमिनिस्ट्रेशन को भी निर्देश दिया गया है कि वे अपने लेवल पर पेंडिंग एप्लीकेशन की तुरंत जांच करें और अप्रूवल प्रोसेस पूरा करें। सोशल वेलफ़ेयर डिपार्टमेंट ने भी साफ़ चेतावनी दी है कि एप्लीकेशन के वेरिफ़िकेशन में देरी या लापरवाही होने पर संबंधित कॉलेज एडमिनिस्ट्रेशन ज़िम्मेदार होगा।

डाइंग मशीन सप्लाई के नाम पर 23.60 लाख रुपए की धोखाधड़ी

भिवंडी. डाइंग मशीनों की आपूर्ति करने के नाम पर 23.60 लाख रुपए के ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस मशीन आपूर्तिकर्ता के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है।

पुलिस के मुताबिक, उत्तर प्रदेश निवासी नवल किशोर प्रभ दयाल अग्रवाल ने भिवंडी के सुमंगला मशनरीज के प्रोपराइटर नारायण आर. पुजारी को दो डाइंग मशीनों का ऑर्डर दिया था। आरोप है कि पूरी रकम लेने के बावजूद कंपनी ने मशीनों की डिलीवरी नहीं की। इस मामले की शिकायत पहले पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले के डोमजूर पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई थी। बाद में इसे भिवंडी के नारपोली पुलिस स्टेशन को भेजा गया।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास

संपादकीय

CJP को लेकर कई तरह की आशंकाएं

आभासी दुनिया में एक तंज और मजाक के साथ शुरू हुआ अभियान तथा काकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी के गठन को बहुत ज्यादा गंभीरता से नहीं लिया जा रहा था।

मगर इसकी शुरुआत करने वाले कुछ युवाओं ने सीजेपी के बैनर के साथ शनिवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर जिस तरह के विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया और उसमें युवाओं की जैसी भागीदारी देखी गई, उसे एक नई बयार के तौर पर देखा जा रहा है।

इस प्रदर्शन में खासी संख्या में युवाओं ने हिस्सा लिया और नीट-यूजी 2026 में प्रश्नपत्र लीक होने के संदर्भ के साथ सरकार पर कई सवाल उठाए। खासतौर पर इन आरोपों के साथ शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की गई कि देश में शिक्षा व्यवस्था आज बर्बाद हो चुकी है, प्रश्नपत्र लीक हो रहे हैं, बच्चे परेशान हैं और उनमें से कई ने आत्महत्या कर ली। गौरतलब है कि नीट-यूजी के प्रश्नपत्र लीक होने और इस मामले के तूल पकड़ने के बाद परीक्षा रद्द किए जाने से लाखों विद्यार्थियों और उनके परिवारों के सामने उपजी परेशानी पिछले कुछ दिनों से राजनीति की मुख्यधारा के बीच भी अहम मुद्दा बनी हुई है और सरकार इस मसले पर बचाव की मुद्रा में है। ऐसे में हाल ही में उभरी सीजेपी ने जिस तरह इस मुद्दे को आवाज दी है, उससे विद्यार्थियों और युवाओं के बीच एक नई उम्मीद पैदा हुई है। हालांकि काकरोच जनता पार्टी के नाम से शुरू अभियान को आभासी दुनिया के एक तात्कालिक गुबार के तौर पर ही देखा गया था। मगर सड़क पर प्रदर्शन और उसमें लोगों की भागीदारी के बाद अब सीजेपी ने खुद को एक विकल्प के तौर पर पेश किया है।

हालांकि पार्टी का नाम शायद एक व्यंग्य का रूपक है, लेकिन इसने जो मुद्दे उठाए हैं, उसने युवाओं का ध्यान आकर्षित किया है। अब यह देखने की बात होगी कि देश में राजनीति का फलक जितना विस्तृत, जटिल और चुनौतियों से भरा है, उसमें सीजेपी अपना कितना विस्तार कर पाएगी।

इससे पहले कुछ लोकप्रिय मुद्दों के साथ आम आदमी पार्टी के उभार ने भी भारतीय राजनीति में एक उम्मीद पैदा की थी। यही वजह है कि आभासी दुनिया से जमीन पर उतरी सीजेपी को लेकर भी लोगों के भीतर कई तरह की आशंकाएं हैं और इसे सावधानी के साथ देखा जा रहा है।

विमर्श

कई फायदों वाली प्लास्टिक की मुद्रा

यूपीआई और डिजिटल पेमेंट की क्रांति ने निःसंदेह भारत के वित्तीय परिदृश्य को नया रूप दिया है। आज देश भर में हर महीने लगभग 20 अरब से अधिक लोग यूपीआई का प्रयोग करते हैं, वहीं दूसरी ओर ऐसा भारत भी है, जहां किसान, मजदूर, स्थानीय बाजार, छोटे दुकानदार से लेकर ग्रामीण समुदाय आदि लेनदेन नकद में ही करते हैं। इससे नकद मुद्रा की मांग कम होने के बजाय बढ़ती जा रही है। आरबीआई के अनुसार 11.5 प्रतिशत की वार्षिक बढ़ोतरी के साथ मुद्रा की मांग 42.86 ट्रिलियन (लाख करोड़) रुपये के स्तर पर पहुंच गई है। वर्ष 2024-25 में नोटों की छपाई पर 6372.8 करोड़ रुपये खर्च हुए। वर्ष 2024-25 में 23.8 अरब खराब नोट नष्ट किए गए, जो पिछले साल के 21.24 अरब नोटों के मुकाबले 12.3 प्रतिशत ज्यादा थे। हर साल हजारों करोड़ रुपये नोट छापने और नष्ट करने में खर्च होते रहेंगे, जब तक की कोई ठोस विकल्प नहीं अपनाया जाता। प्लास्टिक नोट इसका ठोस विकल्प देते हैं।

प्लास्टिक नोट पालीप्रोपाइलीन नामक एक विशेष सिंथेटिक प्लास्टिक से बनते हैं। ये साधारण नोट जैसे ही लगते हैं, लेकिन इनकी उम्र पांच से सात गुना अधिक होती है। प्लास्टिक नोट पानी, गंदगी और फटने के प्रति काफी ज्यादा प्रतिरोधी होते हैं। लंबे समय तक अपनी बनावट बनाए रखते हैं। नमी वाले तटीय इलाकों से लेकर धूल भरे इलाकों तक में ये टिकाऊ होते हैं। इसका एक और बड़ा फायदा सुरक्षा के मामले में है। आज के समय में नकली करेंसी दुनिया भर

के सेंट्रल बैंकों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। प्लास्टिक के नोट सुरक्षा बढ़ाने के सबसे असरदार तरीकों में से एक बनकर उभरे हैं, क्योंकि इन नोटों में माइक्रो-आप्टिक विशेषताएं, होलोग्राफिक तत्व और खास तरह की स्याही इन्हें विशिष्टता प्रदान करती हैं। इन विशेषताओं की नकल करना न सिर्फ मुश्किल होता है, बल्कि आम लोगों के लिए इन्हें पहचानना भी आसान होता है। प्लास्टिक के नोटों की चिकनी सतह पर सूक्ष्मजीव उतनी आसानी से नहीं टिक पाते हैं। आस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, कनाडा, न्यूजीलैंड, सिंगापुर, मलेशिया, वियतनाम, रोमानिया सहित लगभग 60 देशों में प्लास्टिक मुद्रा चलन में है। भारत प्लास्टिक मुद्रा पर 2009 से विचार कर रहा है। 2012 में कोच्चि, जयपुर, भुवनेश्वर और शिमला में दस रुपये के प्लास्टिक नोट के परीक्षण की बात हुई थी, परंतु तब योजना शुरू होने से पहले ही अधर में लटक गई थी, लेकिन अब परिस्थितियां बदल गई हैं।

आज का भारत पूरी तरह से प्लास्टिक नोटों के लिए तैयार है, परंतु आरबीआई को क्रमबद्ध और दृढ़ता से परिपूर्ण कदम उठाने होंगे। सबसे पहले, घरेलू छपाई क्षमता विकसित करनी होगी। भारतीय मुद्रणालयों-नासिक, देवास, मैसुरु और सालबोनी को प्लास्टिक कागज पर मुद्रण के लिए तकनीकी रूप से तैयार करना होगा। चाहे किसी भी देश से तकनीकी सहयोग लिया जाए, परंतु छपाई में स्वनिर्भरता अनिवार्य है। दूसरे कदम के रूप में चरणबद्ध तरीके से दस और बीस रुपये के नोटों से ही पायलट परीक्षण की शुरुआत करनी चाहिए, क्योंकि ये सर्वाधिक प्रचलित और सबसे जल्दी खराब होने वाले नोट हैं। अलग-अलग जलवायु वाले शहरों में इनका परीक्षण हो, जहां नमी भी हो, मैदानी गर्मी भी और पहाड़ी ठंड भी। तीसरा और व्यावहारिक कदम होगा एटीएम अवसंरचना के आधुनिकीकरण एवं मशीनों को अपग्रेड करने की तैयारी। बैंकों और एटीएम निर्माताओं के साथ मिलकर एक टाइमलाइन बनाई जाए। चौथी जरूरत है जन-जागरूकता की। प्लास्टिक के नोट कैसे दिखते हैं, कैसे पहचाने जाते हैं, इनकी असली-नकली की जांच कैसे होती है, यह जानकारी आम जनता तक आसान भाषा में, और जरूरी हो तो क्षेत्रीय भाषाओं में पहुंचाई जाए। पांचवें कदम के रूप में प्लास्टिक के पुराने नोटों के निपटान की पर्यावरण-सम्मत योजना बनाई जानी चाहिए, जिससे प्लास्टिक नोटों को पुनर्चक्रित किया जा सके।

कुछ लोगों का तर्क हैं कि जब यूपीआई इतना व्यापक हो चुका है तो प्लास्टिक नोटों पर इतना ध्यान क्यों दिया जाए। यह तर्क सुनने में अच्छा लगता है, लेकिन जमीनी सच्चाई से कटा हुआ है। भारत के सात लाख से अधिक गांवों में से एक बड़ी संख्या में अभी भी निर्बाध इंटरनेट उपलब्ध नहीं है। वृद्धजन, दिहाड़ी मजदूर, रेहड़ी-पटरी वाले और असंगठित क्षेत्र के करोड़ों लोगों के लिए नकद मुद्रा ही जीवन का आधार है।

जब हम एक इंसान के रूप में इस संसार में आते हैं, तो यह हमारे लिए प्रभु के प्रेम को अनुभव करने का अवसर होता है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

आर्थिक वृद्धि और महंगाई के बीच संतुलन कायम हो

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से पैदा हुए संकट का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। इसका सबसे ज्यादा असर ऊर्जा और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति पर पड़ रहा है, जिससे इनकी कीमतों में इजाफा होना स्वाभाविक है।

महंगाई अब आम आदमी की जेब पर भारी पड़ने लगी है और निश्चित तौर पर इसका प्रभाव देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा। यही वजह है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) ने शुक्रवार को आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को 6.9 फीसद से घटाकर 6.6 फीसद, जबकि खुदरा महंगाई दर के अनुमान को 4.6 फीसद से बढ़ाकर 5.1 फीसद कर दिया है।

हालांकि, सरकार का लक्ष्य महंगाई दर को चार फीसद के दायरे में सीमित रखने का है, लेकिन सवाल है कि वर्तमान में जो परिस्थितियां बनी हैं, उस लिहाज से क्या इस लक्ष्य को हासिल किया जा सकेगा, या फिर यह आंकड़ा महज सरकारी कागजों में दिखाने के लिए ही रह जाएगा। यह आशंका इसलिए व्यक्त की जा रही है, क्योंकि सरकार की ओर से मौजूदा संकट से निपटने के लिए कोई ठोस एवं विस्तृत रूपरेखा अभी तक सामने नहीं आई है।

आरबीआइ ने प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 5.25 फीसद पर बरकरार रखा है और इसे आम लोगों के लिए राहत के

रूप में पेश किया जा रहा है। मगर इसका दूसरा पहलू यह है कि पहले से ही महंगाई से जूझ रहे समाज के एक वर्ग को उम्मीद थी कि रेपो दर में कुछ कमी की जाएगी, जिससे उन्हें अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए बैंक से कर्ज लेने और मासिक किस्त चुकता करने में आसानी होगी।

गौरतलब है कि रेपो दर में कमी और वृद्धि से ब्याज दरें भी घटती एवं बढ़ती हैं, जिसका सीधा असर बैंकों से कर्ज लेने वालों की मासिक भुगतान किस्त पर पड़ता है। यह बात स्पष्ट है कि बढ़ते वैश्विक तनाव, वस्तुओं की ऊंची कीमतें और आपूर्ति में समस्या देश के आर्थिक परिदृश्य के लिए जोखिम पैदा कर रहे हैं।

कच्चे तेल के दामों में आए उछाल और विदेशी संस्थागत निवेशकों की रिकार्ड पूंजी निकासी के कारण रुपया इस वर्ष डालर के मुकाबले छह फीसद से अधिक टूटा है। इसके साथ ही विदेशी मुद्रा भंडार पर भी दबाव बढ़ रहा है। ऐसे में अगर समग्र रूप से कारगर कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले दिनों में स्थिति और ज्यादा बिगड़ने से इनकार नहीं किया जा सकता।

देश की अर्थव्यवस्था के लिए जोखिम सिर्फ पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष की वजह से ही नहीं है, बल्कि घरेलू मोर्चे पर भी कई तरह की चुनौतियां स्थिति को जटिल बना रही हैं। मसलन, आरबीआइ ने अपनी रिपोर्ट में सामान्य से कम मानसून के अनुमान और अल-नीनो के कारण उत्पन्न जोखिमों का भी उल्लेख किया है। साथ ही कहा कि इससे आने वाले महीनों में खाद्य पदार्थों की कीमतों पर दबाव और ज्यादा बढ़ सकता है। यानी महंगाई का सिलसिला फिलहाल थमने वाला नहीं है।

आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार महंगाई पर नियंत्रण की तुलना में आर्थिक वृद्धि के प्रयासों पर ज्यादा जोर दे रही है। इससे भले ही अर्थव्यवस्था के आंकड़ों में सुधार नजर आ सकता है, लेकिन महंगाई के बढ़ते बोझ से आम लोगों के लिए जीवन-यापन करना कठिन हो जाएगा। इसलिए जरूरी है कि सरकार ऐसे कदम उठाएं, जिससे आर्थिक वृद्धि और महंगाई के बीच संतुलन कायम हो और पश्चिम एशिया में संघर्ष से उपजे संकट के असर को भी कम किया जा सके।

कंकालों से भरी झील, जहां है सिर्फ हड्डियां ही हड्डियां

जरा हट के

भारत में ऐसी कई रहस्यमयी जगहें मौजूद हैं, जिनके बारे में जानकर लोग आज भी हैरान रह जाते हैं. इन्हीं रहस्यमयी स्थानों में से एक है उत्तराखंड की प्रसिद्ध रूपकुंड झील, जिसे "कंकालों की झील" के नाम से भी जाना जाता है. हिमालय की ऊंची बर्फीली चोटियों के बीच स्थित यह झील जितनी खूबसूरत दिखाई देती है, उतनी ही डरावनी और रहस्यों से भरी हुई भी मानी जाती है. इस झील के आसपास बिखरी इंसानी हड्डियां और कंकाल सालों से लोगों के लिए हैरानी का विषय बने हुए हैं. सबसे बड़ी बात यह है कि आज तक कोई भी यह पता नहीं लगा पाया कि ये कंकाल आखिर यहां आए कैसे और इन लोगों की मौत किस वजह से हुई थी.

समुद्र तल से करीब 16,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित यह रहस्यमयी झील त्रिशूल पर्वत की बर्फ से ढकी चोटियों के बीच मौजूद है.

त्रिशूल पर्वत को भारत की सबसे ऊंची और प्रसिद्ध पर्वत श्रृंखलाओं में गिना जाता है, जो उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र में स्थित है. चारों तरफ फैली बर्फ, ऊंचे पहाड़ और शांत वातावरण इस जगह को और भी आकर्षक बनाते हैं, लेकिन जैसे ही यहां दिखाई देने वाले इंसानी कंकालों की बात सामने आती है, यह खूबसूरत झील एक डरावने रहस्य में बदल जाती है.

रूपकुंड झील दुनिया की सबसे रहस्यमयी झीलों में गिनी जाती है. साल 1942 में एक ब्रिटिश फॉरेस्ट रेंजर गश्त के दौरान यहां पहुंचा था. उसी समय उसकी नजर झील के आसपास बिखरी इंसानी हड्डियों और कंकालों पर पड़ी. इसके बाद यह जगह पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बन गई. कहा जाता है कि यह झील सालभर बर्फ से जमी रहती है, लेकिन मौसम के अनुसार इसका आकार छोटा-बड़ा होता रहता है. गर्मियों के मौसम में जब बर्फ पिघलने लगती है, तब झील में मौजूद इंसानी कंकाल साफ दिखाई देने लगते हैं. वहीं सर्दियों में यहां इतनी ज्यादा बर्फ जम जाती है कि कंकाल नजर भी नहीं आते. बीबीसी की 2021 की रिपोर्ट के अनुसार अब तक 600-800 लोगों के कंकाल यहां पाए जा चुके हैं. बर्फ में दबे रहने के कारण उनमें से कुछ पर मांस लगा रहता है.

रसम एक साउथ इंडियन डिश है। रसम गर्मियों में ठंडक पहुंचाने का काम करता है जिससे गर्मी से राहत मिलती है। यही वजह है कि साउथ इंडिया में रसम को हर वक्त खाने में शामिल किया जा सकता है। रसम को कई तरह से तैयार किया जाता है,जो काफी पौष्टिक होता है और स्वादिष्ट भी।

रसम

सामग्री :

- तुअर दाल आधा कप
- हल्दी पाउडर ½ टी- स्पून
- तेल 2 टी - स्पून
- टमाटर कटा हुआ ½ कप
- हरी धनिया पत्ती कटी हुई 2 बड़े चम्मच
- इमली का पानी आधा कप
- हींग ¼ टी-स्पून
- करी पत्ता 10 पत्ते
- सूखी कश्मीरी लाल मिर्च 2 सूखे हुए
- उड़द की दाल 1टी-स्पून
- सरसों के दाने ½ टी- स्पून
- नमक स्वादानुसार
- रसम पाउडर की सामग्री-
- मेथी दाना ¼ टी-स्पून
- काली मिर्च ½ टी-स्पून
- सूखी कश्मीरी लाल मिर्च 3
- काली मिर्च ½ टी-स्पून
- धनिया के बीज 2टी-स्पून
- करी पत्ते 10 पत्तियां

विधि :

गर्म कढ़ाई में रसम पाउडर की सभी सामग्रियों को भुनें और फिर ठंडा होने पर पीस लें।

तुअर दाल रसम रेसिपी

इसे बनाने के लिए सबसे पहले कुकर में तुअर दाल, हल्दी,पानी और नमक डालकर, 3- 4 सीटी आने तक मीडियम फ्लेम पर पकाएं। प्रेशर खत्म होने पर दाल को अच्छे से फेंट लें। अब एक पैन में तेल डालकर गर्म करें और इसमें सरसों और उड़द दाल डालकर थोड़ी देर भूनें। अब इसमें लाल मिर्च के टुकड़े, हींग, करी पत्तों को डालें और जरा सा फ्राई करें। अब इसमें कटे हुए टमाटर और रसम पाउडर को डालकर एक से दो मिनट तक पकाएं। इसके बाद इसमें पकी हुई तुअर दाल, इमली पानी, नमक और दो कप पानी डालकर अच्छे से मिक्स करें और 6- 8 मिनट तक चलाते हुए पकाएं। आंच बंद करके इसमें कटी हुई धनिया पत्ती डालें और मिक्स करें। तैयार है आपका रसम। इसे चावल के साथ सर्व करें।

क्या झूठ बोलने लगा है बच्चा?

इन तरीकों से सिखाएं सच बोलना

अगर आपको अचानक पता लगे कि आपका बच्चा झूठ बोलता है तो आप बेहद परेशान जाएंगी। ऐसे में उसकी इस आदत को छुड़ाने के लिए आप क्या करेंगी? राधा ने अपने बेटे अमर से पूछा कि होमवर्क कर लिया तो अमर ने जवाब दिया, "हां मां, कर लिया और अब मैं खेलने जा रहा हूं।" अमर के जाने के बाद राधा ने उसकी कॉपी देखी तो उसने होमवर्क नहीं किया था। यह पहली बार नहीं था, जब अमर ने झूठ बोला हो। वह अक्सर ही कई तरह के झूठ पूरे आत्मविश्वास से बोलता रहता है, जिससे राधा काफी परेशान भी है। कई बार माता-पिता राधा की तरह बच्चों के झूठ बोलने की आदत को नजरअंदाज कर देते हैं। मगर बच्चे अक्सर ही इन छोटे झूठों से ही बड़े झूठ बोलना सीखते हैं। इसलिए आपको उनकी आदत में इस झूठ को शुमार होने से पहले ही रोकना होगा।

■ खुला माहौल

बच्चे अपनों से प्यार पाने तो कभी-कभी किसी काम से बचने के लिए भी झूठ बोलते हैं। आपके लिए यह महत्वपूर्ण है कि उनके झूठ को बढ़ावा न मिले। आप बच्चों को इस बात पर पूरा विश्वास दिलाएं कि उन्हें बिना शर्त प्यार किया जाता है। साथ ही आप उनके साथ संवाद करें और उन्हें उनकी भावनाओं तथा विचारों को साझा करने के लिए एक खुला माहौल दें।

■ फटकार नहीं, प्यार

कई बार बच्चे डांट तथा पिटाई से बचने के लिए भी झूठ बोल देते हैं और धीरे-धीरे यह उनकी आदत में शुमार हो जाता है। आपको यह भी समझना होगा कि अगर आप हर समय गुस्सा ही करेंगी तो वे झूठ बोलना सीखेंगे ही। इसलिए आपको बच्चों को इतना स्पेस देना चाहिए कि अगर उन्होंने कोई गलती की भी है तो वे उसे आपसे साझा करने में डरें नहीं। साथ ही जब वे आपको अपनी गलती खुद बताएं तो आप उन्हें डांटने या सजा देने के बजाय प्यार से समझाएं।

■ नुकसान भी बताएं

उन से कोई भी गलती होने पर उन्हें बताएं कि वे डरें नहीं और अपनी इस गलती से सीखने की कोशिश करें। साथ ही आप उन्हें यह भी बताएं कि झूठ बोलने के क्या-क्या नुकसान होते हैं। इसके लिए आप उन्हें पंचतंत्र या अन्य कहानियां सुना सकती हैं। अगर बच्चा लगातार झूठ पर झूठ बोलता ही जा रहा है तो आप प्यार के साथ थोड़ी सख्ती भी दिखा सकती हैं।

■ आप बोलें सच

घर में कोई बिन बुलाया मेहमान या किसी का फोन आता है तो घर के बड़े कह देते हैं कि 'बेटा कह दो कि पापा या मम्मी घर पर नहीं हैं।' बस, यहीं से बच्चों के झूठ बोलने की शुरुआत होती है।

उन्हें ऐसा महसूस होता है कि जब बड़े ऐसा कर सकते हैं तो हम क्यों नहीं। इसलिए बच्चों के सामने झूठ न बोलें और न ही उन्हें झूठ बोलने के लिए प्रोत्साहित करें।

■ न दें झूठे होने का लेबल

बाल मनोवैज्ञानिक रुचि अग्रवाल बताती हैं, बच्चे अपनी ओर ध्यान आकर्षित करने, किसी चीज से बचने या अपनी कोई बात मनवाने के लिए झूठ का सहारा लेने लगते हैं। इसके अलावा वे कार्टून और टीवी पर आने वाले शोज से भी झूठ बोलना सीखते हैं। इसलिए वे क्या देख रहे हैं, आप इस बात का ध्यान रखें। आप कभी भी बच्चे के झूठ बोलने की आदत को नजरअंदाज न करें। आप उससे प्यार से और बिना डांट-फटकार के झूठ बोलने की वजह पूछें, जोर-जबरदस्ती बिल्कुल न करें और उसे समय दें। इसके अलावा सबसे जरूरी है कि आप कभी भी उसकी इस आदत को सुधारने के लिए उसको कोई लेबल न दें, जैसे 'तुम हमेशा झूठ बोलते हो' या फिर 'तुम तो हो ही झूठे।' इस तरह के लेबल से बच्चे के आत्मविश्वास को चोट पहुंचती है, जिस कारण वह जिद्दी बन जाता है और झूठ पर झूठ बोलने लगता है।

आज का राशिफल

मेष : स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में विशेषकर स्त्रियां सावधानी रखें। कार्यों की गति धीमी रहेगी। बुद्धि का प्रयोग करें। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। निराशा हावी रहेगी।

वृषभ : आशंका-कुशंका के चलते कार्य की गति धीमी रह सकती है। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। सभी ओर से सफलता प्राप्त होगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। लाभ होगा।

मिथुन : जीवनसाथी से कहासुनी हो सकती है। संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर होगी। करियर बनाने के अवसर प्राप्त होंगे। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी। पारिवारिक सहयोग से कार्य में आसानी होगी। दूसरों के कार्य में दखल न दें। प्रमाद से बचें।

कर्क : बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ के असवर हाथ आएंगे। यात्रा में सावधानी रखें। किसी पारिवारिक आनंदोत्सव में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शत्रु पस्त होंगे।

सिंह : धन का नुकसान या कोई बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। पारिवारिक चिंताएं रहेंगी। मेहनत अधिक तथा लाभ कम होगा। दूसरों से अपेक्षा न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। मातहतों का सहयोग नहीं मिलेगा। कुसंगति से बचें, हानि होगी।

कन्या : मित्रों की सहायता कर पाएंगे। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता रहेगी। नया उपक्रम प्रारंभ करने की योजना बनेगी। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। समय अनुकूल है।

तुला : दूर से अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। कोई बड़ा काम करने की योजना बनेगी। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर में अतिथियों पर व्यय होगा। किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रु शांत रहेंगे।

वृश्चिक : प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट से कार्य में रुकावट होगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। निवेश में जल्दबाजी न करें। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा।

धनु : अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। यात्रा में जल्दबाजी न करें, नुकसान संभव है। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। स्वास्थ्य पर बड़ा खर्च हो सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। आय में कमी रहेगी। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी।

मकर : विवेक का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा। कोई बड़ी बाधा से सामना हो सकता है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। रुका हुआ धन मिल सकता है। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। किसी अपने के व्यवहार से दुःख होगा।

कुंभ : समाजसेवा में रुझान रहेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। पुरानी व्याधि से परेशानी हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार वृद्धि होगी। ऐश्वर्य पर व्यय होगा। भाइयों का सहयोग मिलेगा।

मीन : राजकीय अवरोध दूर होंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। धर्म-कर्म में मन लगेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। निवेश शुभ रहेगा। प्रभावशाली व्यक्तियों से परिचय होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। प्रसन्नता रहेगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

चावल के मांड से भूख लगेगी कम

बार-बार भूख लगना मोटे लोगों की समस्या है। जिससे निपटना काफी मुश्किल होता है। क्योंकि यहीं से मोटापे की जड़ जुड़ी होती है। खाना खाने के बाद भी भूख लगना, खाने के एक दो घंटे बाद से भूख लगना और फिर अनहेल्दी फूड खाना। जरूरत से ज्यादा यानी ओवरईटिंग मोटापे की वजह बनती है। अगर आप बार-बार लगने वाली भूख को खत्म करना चाहते हैं और ओवरईटिंग से बचना चाहते हैं तो आयुर्वेद में बताए इस ड्रिंक को पिएं।

बार-बार भूख लगने की समस्या रहती है तो अनहेल्दी चीजों को खाने की बजाय चावल का माड़ पिएं। इस चावल के माड़ में भुना जीरा पाउडर और सेंधा नमक मिला लें। ये सेहत के लिए कई तरह से फायदेमंद होता है।

■ मांड पीने के फायदे

■ एनर्जी बूस्ट करता है

चावल का मांड पीने से एनर्जी मिलती है। इसमे न्यूट्रिशन की मात्रा ज्यादा होती है। साथ ही कार्ब्स होते हैं जो

आपको एनर्जी देने में मदद करता है।

■ डाइजेशन में मदद

कब्ज की समस्या रहती है या फिर पेट में गैस बनती है, लूज मोशन होता है। चावल का मांड सारी तरह की समस्याओं के लिए अच्छा है। लूज मोशन होने पर ये एनर्जी देता है। वहीं पेट में बन रही गैस को खत्म करता है।

■ स्किन के लिए अच्छा

स्किन पर लगाने के साथ ही चावल का मांड पीने से स्किन को हाइड्रेशन मिलता है और स्किन ग्लो करती है।

■ कैसे बनाएं चावल का मांड

चावल का मांड बनाने के लिए चावल को अच्छी तरह से धोकर पानी में पकाएं। जब चावल पक जाए तो बचे हुए पानी को छानकर निकाल लें। ये पानी पोषण से भरपूर रहता है।

दिल के लिए फायदेमंद लहसुन का पानी

लहसुन का इस्तेमाल कई सारी हेल्थ समस्याओं को दूर रखने में मदद करता है। वहीं अब इंस्टाग्राम पर हार्ट के डॉक्टर ने लहसुन ड्रिंक के फायदे बताए। जिसे पीने से बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने से लेकर हार्ट की बीमारियों से बचने में मदद मिलती है। जानें लहसुन वाली ड्रिंक पीने के फायदे के बारे में।

■ एलडीएल कम करता है लहसुन का पानी

लहसुन में पाया जाने वाला एलिसिन शरीर में बढ़ रहे बैड कोलेस्ट्रॉल यानी एलडीएल की मात्रा को कम करने में मदद करता है।

■ हार्ट अटैक से बचाता है

एलिसिन नाम का यौगिक एलडीएल यानी बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करता है। जिससे हार्ट को सुरक्षित रखने में मदद मिलती है और हार्ट अटैक से भी बचाव होता है।

■ खून का थक्का जमने से रोकता है

लहसुन का पानी पीने से शरीर में थ्रोम्बोम्बोलिज्म को रोकता है। जिसमे शरीर में खून का थक्का जमने लगता है। लहसुन जम रहे खून के थक्कों को रोकता है।

■ हाई ब्लड प्रेशर में राहत

इसके साथ ही लहसुन का पानी हाई ब्लड प्रेशर की समस्या को भी कम करने में मदद करता है।

■ इम्यून सिस्टम को बढ़ाता है

लहसुन का पानी माइक्रोफेस, लिम्फोसाइट्स को बढ़ाता है। जिससे इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। जिससे ना केवल शरीर बीमारियों और बैक्टीरिया से लड़ पाता है बल्कि शरीर में हो रहे हानिकारक प्रदूषण के असर को भी कम करता है।

■ एंटीऑक्सीडेंट्स

लहसुन का पानी शरीर में एंटीऑक्सीडेंट्स को भी बढ़ाता है। जिससे सेल्स को डैमेज होने से रोकने में मदद मिलती है। जिससे क्रॉनिक डिसीज होने का खतरा कम हो जाता है।

■ कैसे बनाएं लहसुन का पानी

लहसुन का पानी बनाने के लिए लहसुन को कुचलकर पानी में अच्छी तरह से उबाल लें और छान लें। इस पानी को ठंडा करके पिएं।

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

प्रेमिका के सामने प्रेमी को मार डाला

बागपत. यूपी के बागपत में रात को प्रेमिका से मिलने पहुंचे प्रेमी की गला घोंटकर हत्या कर दी गई। युवती के चाचाओं ने भतीजी के सामने ही उसके प्रेमी को मौत के घाट उतार दिया। फिलहाल आरोपी फरार बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार केतीपुरा के रहने वाले शहजान का मुगलपुरा की रहने वाली एक युवती से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। दोनों चोरी-छिपे मिलते थे। युवती के घर वालों को इसकी जानकारी नहीं थी। रविवार की रात प्रेमी शहजान अपनी प्रेमिका से मिलने उसके घर पहुंच गया। इसी दौरान युवती का एक चाचा काम से घर वापस आ गया। चाचा की नजर भतीजी और उसके प्रेमी पर पड़ी। इसके बाद चाचा ने अपने अन्य भाइयों को इसकी जानकारी दी। परिवार के सभी लोगों ने मिलकर युवक को घेरकर पकड़ लिया। इसके बाद चाचाओं ने भतीजी के सामने ही प्रेमी की पिटाई करते हुए उसे मौत के घाट उतार दिया।

ऑटो में महिला से छेड़छाड़, विरोध करने पर दबाया गला, फिर सड़क पर फेंका

लखनऊ. लखनऊ में ऑटो में महिलाओं से छेड़छाड़ की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही है। बेखौफ ऑटो चालक और उसमें सवार युवक ने इंदिरा नगर सेक्टर 25 में घर लौट रही व्यवसायी की पत्नी के साथ छेड़छाड़ की। महिला के शोर मचाने पर ऑटो चालक और युवक ने गला दबाया और मारपीट करते हुए रिंग रोड ओवरब्रिज पर चलती ऑटो से फेंक सड़क पर फेंक दिया, जिससे वह करीब 20 मीटर तक घिसटती चली गईं। इससे महिला को गंभीर चोट आई है। राहगीरों ने महिला को अस्पताल पहुंचाया, जहां से सूचना पर पति और पुलिस को सूचना दी। इस मामले में गाजीपुर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि ऑटो चालक फरार है।

12 साल बाद मिली मां, मृत मानकर कर दी थीं अंतिम रस्में; पूरा परिवार साथ-साथ रोया

बिजनौर. बिजनौर में गांव शहजादपुर से 12 साल पहले लापता हुई मां अचानक जिंदा मिल गई। जिस मां को परिवार ने मृत मान लिया था और जिसकी अंतिम रस्में तक निभा दी थीं, वह इतने साल बाद अपने बेटों मिली तो आंसुओं का सैलाब बह निकला। बताया जाता है कि गांव शहजादपुर निवासी राजो देवी वर्ष 2014 में मानसिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण अचानक घर से लापता हो गई थीं।

4 मई 2026 को हरियाणा के अंबाला जिले के साहा थाना पुलिस को एक लावारिस महिला मिली। पुलिस ने उसे यमुनानगर के सरस्वतीनगर स्थित मगरपुर गांव के 'नो आसरे दा आसरा' आश्रम में पहुंचा दिया। आश्रम में एक महीने तक इलाज, देखभाल और काउंसलिंग के बाद महिला ने अपना नाम राजो देवी बताया और बिजनौर के शेरकोट क्षेत्र का जिक्र किया। आश्रम की टीम ने जानकारी जुटाते हुए बिजनौर के शहजादपुर गांव तक संपर्क स्थापित किया। वीडियो कॉल पर राजो देवी की पहचान हुई तो बेटों कपिल, सोनू और रोहित की खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

वे तुरंत यमुनानगर पहुंचे। आश्रम में जैसे ही मां और बेटों का आमना-सामना हुआ, वर्षों का बिछोह आंसुओं में बदल गया। तीनों बेटे मां से लिपटकर फूट-फूटकर रो पड़े। राजो देवी ने भी अपने बच्चों को पहचान लिया और उन्हें सीने से लगा लिया। वहां मौजूद हर व्यक्ति की आंखें नम हो गईं। परिवार के अन्य सदस्य भी इस भावुक पल को देखकर अपने आंसू नहीं रोक सके।

खड़गे बोले- CBSE-NEET गड़बड़ी पर शिक्षा मंत्री इस्तीफा दें

- SIR में करोड़ों वोटर के नाम काटे
- इसके खिलाफ INDIA ब्लॉक CJI को लेटर लिखेगा

नई दिल्ली. INDIA ब्लॉक की 2 साल बाद हुई 7वीं बैठक में सोमवार को 25 दलों के नेता शामिल हुए। दिल्ली में हुई इस बैठक में उद्धव ठाकरे और हेमंत सोरेन ऑनलाइन जुड़े, जबकि सोनिया गांधी, राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, सुप्रिया सुले, कपिल सिब्बल समेत कई शामिल हुए। मीटिंग के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- 2 घंटे से ज्यादा चली बैठक में 5 मुद्दों पर सहमति बनी है। NEET में देश के युवाओं के साथ धोखा हुआ है। NEET और CBSE की गड़बड़ी के लिए शिक्षा मंत्री जिम्मेदार हैं, वह तुरंत इस्तीफा दें।

उन्होंने कहा कि गठबंधन हर 2 महीने में महंगाई, बेरोजगारी और अर्थव्यवस्था के मुद्दे पर बैठक करेगा। SIR और चुनाव की निष्पक्षता को लेकर INDIA ब्लॉक CJI को लेटर भी लिखेगा। 8 अगस्त को अगली बैठक हैदराबाद में होगी। मानसून सत्र के दौरान भी विपक्ष बैठक करेंगे।

- यूथ कांग्रेस ने कांग्रेस-राहुल के खिलाफ लगे पोस्टर फाड़े

दिल्ली की अकबर रोड पर सोमवार सुबह कुछ पोस्टर लगाए गए थे। हालांकि पोस्टर किसने लगाए इसका पता नहीं चल सका है। पोस्टर में राहुल गांधी की तस्वीर थी और कांग्रेस के खिलाफ बयानबाजी थी। दोपहर में यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और पोस्टर को फाड़ा। एक पोस्टर में NCP-SCP चीफ शरद पवार की तस्वीर लगी थी, लिखा था- राहुल गांधी में कंसिस्टेंसी (स्थिरता) की कमी है।

- पवार बोले- सभी सीनियर से चर्चा करके समाधान निकालेंगे

INDIA ब्लॉक की पिछली बैठक एक जून 2024 को दिल्ली में खड़गे के घर पर हुई थी। यानी, पूरे 2 साल के बाद गठबंधन के नेता एकसाथ जुटे। इस बैठक पर NCP-SCP चीफ शरद पवार ने कहा कि मौजूदा समय में ब्लॉक के सभी दलों को एकजुट रखना सबसे जरूरी है।

उन्होंने कहा कि एक तरफ नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार है, वहीं दूसरी तरफ वे दल हैं जो उसके नेतृत्व को स्वीकार नहीं करते। ऐसे सभी दल साथ आए हैं। गठबंधन के भीतर मौजूद मतभेदों को दूर करने के सभी सीनियर लोगों से बातचीत की जाएगी और कोई न कोई समाधान निकाला जाएगा।

पवार ने कहा कि मुझे भरोसा है कि इसका रास्ता निकलेगा। अगले 2-3 सालों में कोई बड़ा चुनाव नहीं है, इसलिए यह समय सभी सहयोगी दलों को साथ रखने और गठबंधन को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण है।

फिलीपींस में 7.8 तीव्रता का भूकंप, इमारतें गिरीं

- 19 की मौत
- 4.5 फीट से ज्यादा ऊंची लहरें उठीं
- 2 घंटे में 138 झटके आए

मनीला. फिलीपींस में सोमवार सुबह 7.8 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया, जिससे कई इमारतों को नुकसान पहुंचा है। प्रभावित इमारतों में ज्यादातर दुकानें, दफ्तर और व्यावसायिक भवन शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक अब तक 19 लोगों की मौत हुई है, जबकि 200 से ज्यादा लोग घायल हैं।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (USGS) के मुताबिक, भूकंप भारतीय समयानुसार सुबह 5:07 बजे आया। भूकंप का केंद्र मिंडानाओ द्वीप के पास समुद्र में था। यह सारंगानी प्रांत के मासीम कस्बे से लगभग 32 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में और 33 किलोमीटर की गहराई पर आया। अधिकारियों का कहना है कि यह इस साल फिलीपींस में आया सबसे शक्तिशाली भूकंप है।

भूकंप के बाद सुनामी भी आई। सबसे ऊंची लहर की ऊंचाई 1.4 मीटर (करीब 4.6 फीट) रही। एहतियात के तौर पर इंडोनेशिया और मलेशिया ने भी सुनामी की चेतावनी जारी की थी, जिसे कुछ घंटों बाद वापस ले लिया गया।

फिलीपींस के ज्वालामुखी और भूकंप विज्ञान संस्थान (फिवोल्क्स) ने बताया कि स्थानीय समयानुसार सुबह 11 बजे तक 138 आफ्टरशॉक दर्ज किए गए। इन झटकों की तीव्रता 1.3 से 6.7 के बीच रही।

अधिकारियों ने बताया कि जनरल सैंटोस में एक दो मंजिला स्कूल इमारत के गिरने की खबर के बाद राहत और बचाव अभियान चलाया गया। आशंका जताई गई कि कुछ छात्र मलबे में फंस सकते हैं। वहीं पुलिस के अनुसार शहर में कम से कम 7 लोग लापता हैं।

सोमवार को गर्मी की छुट्टियों के बाद देशभर के सरकारी स्कूल खुले थे। दक्षिणी क्षेत्र के अधिकारियों के मुताबिक सुबह ध्वजारोहण समारोह में शामिल 100 से ज्यादा छात्रों को हल्की चोटें आईं, जबकि कई बच्चे घबराहट के कारण बेहोश हो गए।

फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने कहा कि उन्होंने सभी संबंधित सरकारी एजेंसियों को तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने प्रभावित इलाकों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और राहत-बचाव अभियान शुरू करने को कहा है।

सैंटोर शहर में सबसे ज्यादा नुकसान

7 लाख से ज्यादा आबादी वाले बंदरगाह शहर जनरल सैंटोस में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। यहां कई इमारतों में दरारें आ गईं, कुछ छोटी इमारतें आंशिक रूप से ढह गईं और एक पुल भी क्षतिग्रस्त हो गया। क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन अधिकारियों के मुताबिक शहर में कम से कम 7 लोगों की मौत हुई और करीब 130 लोग घायल हुए हैं। दक्षिण कोटाबाटो, दावाओ ऑक्सिडेंटल और बालुत द्वीप समेत अन्य दक्षिणी इलाकों में भी 9 लोगों की मौत हुई। इनमें कुछ लोग गिरते मलबे, एक क्षतिग्रस्त मस्जिद और भूस्खलन की चपेट में आ गए।

ईरान-इजराइल में दो माह बाद फिर जंग शुरू

- होर्मुज में जहाज पर हमले में 24 भारतीय फंसे
- वीडियो शेयर कर नेवी से मदद मांगी

ईरान और इजराइल के अप्रैल में हुए सीजफायर के 2 महीने बाद दोबारा जंग शुरू हो गई। ईरान ने रविवार रात इजराइल पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। ईरान की रेवोल्यूशनरी गार्ड (IRGC) ने कहा कि यह कार्रवाई लेबनान में हिजबुल्लाह पर इजराइली हमलों के जवाब में की गई है।

इसके जवाब में इजराइल ने ईरान के कई सैन्य और रक्षा ठिकानों पर हमला किया। ईरानी समाचार एजेंसी IRNA के मुताबिक, तेहरान, तबरीज और इस्फहान में कई विस्फोट हुए। वहीं, IRGC ने दावा किया कि इजराइल ने इन हमलों में एयर-लॉन्च बैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया।

अमेरिका-ईरान तनाव के बीच होर्मुज स्ट्रेट में ओमान तट के पास एक जहाज पर हमले की खबर आई है। भारतीय नाविकों के संगठन फॉरवर्ड सीमैन्स यूनियन ऑफ इंडिया ने दावा किया है कि जहाज पर 24 भारतीय नाविक सवार हैं और उन्होंने तत्काल मदद की अपील की है।

बढ़ते तनाव के बीच भारत ने अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने भारतीयों से ईरान की यात्रा न करने और वहां मौजूद लोगों को जल्द से जल्द देश छोड़ने की सलाह दी है।

ममता के 20 सांसद भी TMC छोड़ सकते हैं

- CM शुभेंदु के साथ भाजपा बंगाल प्रभारी से मिले
- तृणमूल के राज्यसभा सांसद सुखेंदु का इस्तीफा

नई दिल्ली. विधायकों के बाद अब तृणमूल कांग्रेस के सांसद भी ममता का साथ छोड़ने की तैयारी कर रहे हैं। सोमवार दोपहर 20 सांसदों ने केंद्रीय मंत्री और BJP के बंगाल प्रभारी भूपेंद्र यादव के घर पर मीटिंग की। इस दौरान सुबह TMC के राज्यसभा सांसद पद से इस्तीफा दे चुके सुखेंदु शेखर रे भी मौजूद रहे। उधर, बंगाल CM शुभेंदु अधिकारी भी इनसे मिलने पहुंचे। 20 में से लोकसभा और राज्यसभा के कितने सांसद थे यह साफ नहीं हो पाया है। बैठक में काकोली घोष, शताब्दी रॉय, अबू ताहिर, अरूप चक्रवर्ती, खलीलुर रहमान, शर्मिला सरकार, असित मल, कालीपद सोरेन, जगदीश बसुनिया और प्रसून बनर्जी मौजूद रहे। बाकी सांसदों के नाम सामने नहीं आए हैं।

सूत्रों के मुताबिक TMC के ये सभी सांसद अलग गुट बना सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि वे जल्द ही इस बारे में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को एक लेटर लिखेंगे। लोकसभा में TMC के अभी 28 और राज्यसभा में 13 सांसद हैं। इससे पहले 3 जून को बंगाल के 80 में से 58 विधायक अलग गुट बना चुके हैं। इस गुट ने ऋतब्रत को अपना नेता बनाया है।

सुखेंदु का दावा- TMC के लोग से ममता से नाराज

TMC के वरिष्ठ नेता सुखेंदु शेखर ने राज्यसभा सांसद पद से इस्तीफा दे दिया और पार्टी भी छोड़ दी। त्यागपत्र में उन्होंने ममता के 15 साल के अराजक शासन को पार्टी की हार का नतीजा बताया और भाजपा की तारीफ की थी। राज्यसभा के चेयरमैन सीपी राधाकृष्णन ने सुखेंदु शेखर का इस्तीफा मंजूर कर लिया है। सुखेंदु ने इस्तीफे के बाद मीडिया से कहा था कि पार्टी के कई लोग ममता मनमाने ढंग से पार्टी चला रही थीं, इसी वजह से उन्होंने इस्तीफा दे दिया। सुखेंदु शेखर की राज्यसभा सीट पश्चिम बंगाल से है और उनका कार्यकाल 2029 तक था। सीट खाली हो चुकी है, अब इस पर उपचुनाव कराया जा सकता है।

TMC नेता जहांगीर खान नेपाल बॉर्डर से गिरफ्तार

- अवैध वसूली का आरोप, देश छोड़ने की कोशिश में थे
- फालता सीट से चुनाव लड़ा था

कोलकाता. पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने सोमवार को TMC नेता जहांगीर खान को गिरफ्तार कर लिया। यह गिरफ्तारी नेपाल बॉर्डर के पास से हुई। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के फालता पुलिस स्टेशन में खान के खिलाफ 7 FIR की गई थीं। वह नेपाल भागने की फिराक में था। अभी बंगाल पुलिस की तरफ से इस पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। पुलिस जहांगीर को कोलकाता ला रही है।

न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक जहांगीर को अवैध वसूली करने के आरोप में पकड़ा गया है। हालांकि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में पहले यह दावा किया गया था कि जहांगीर के समर्थकों ने महिलाओं को गैंगरेप की धमकी दी थी। इसके कारण उनकी गिरफ्तारी हुई है।

जहांगीर ने 2026 का विधानसभा चुनाव फालता सीट से लड़ा था। चुनाव के दौरान हुई गड़बड़ियों के कारण यहां 21 मई को दोबारा वोटिंग हुई थी। दोबारा चुनाव से 48 घंटे पहले ही जहांगीर ने मैदान छोड़ दिया था और कहा था कि वे चुनाव से अपना नाम वापस ले रहे हैं।

24 मई को आए नतीजे में जहांगीर की हार हुई। इसके बाद से जहांगीर लगभग गायब ही रहे। उन्हें न तो घर पर देखा गया और न ही पार्टी कार्यालय में।

मई में अपने खिलाफ FIR दर्ज होने पर हाईकोर्ट गए थे

मई 2026 में जहांगीर ने कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका दायर कर अपने खिलाफ दर्ज मामलों की जानकारी और गिरफ्तारी से संरक्षण मांगा था। उनका आरोप था कि उनके खिलाफ लगातार कई आपराधिक मामले दर्ज किए जा रहे हैं।

बिना शादी सहमति से संबंध खराब चरित्र का आधार नहीं -SC

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि दो अविवाहित बालिगों के बीच सहमति से बने शारीरिक संबंध को किसी व्यक्ति के चरित्र को खराब बताने का आधार नहीं बनाया जा सकता। कोर्ट ने साफ कहा कि ऐसा कोई कानून नहीं है, जो दो बालिग और अविवाहित लोगों को अपनी पसंद का संबंध रखने से रोकता हो।

जस्टिस मनमोहन और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने यह टिप्पणी तेलंगाना स्टेट लेवल पुलिस रिक्रूटमेंट बोर्ड के एक मामले की सुनवाई के दौरान की। कोर्ट ने उस उम्मीदवार की अपील मंजूर कर ली, जिसकी पुलिस कांस्टेबल भर्ती रद्द कर दी गई थी। कोर्ट ने कैंडिडेट को अपॉइंट करने का निर्देश दिया। उम्मीदवार की नियुक्ति इसलिए रद्द की गई थी क्योंकि उसके खिलाफ 2014 में शादी का वादा कर दुष्कर्म का मामला दर्ज हुआ था। भर्ती बोर्ड ने इसे नैतिक अधमता (मॉरल टरपिट्यूड) का मामला मानते हुए उसे अयोग्य ठहराया था। कैंडिडेट ने इसी को चुनौती दी थी। हालांकि, यह मामला एक असफल प्रेम संबंध से जुड़ा था। रिकॉर्ड के अनुसार, उम्मीदवार और शिकायतकर्ता पड़ोसी थे।

20 लाख घरों में हाई स्पीड ब्रॉडबैंड सुविधा देने जा रही योगी सरकार

लखनऊ. यूपी में प्रोजेक्ट गंगा के तहत करीब 8 हजार न्याय पंचायतों में डिजिटल सर्विस प्रोवाइडर नियुक्त होंगे। सर्विस प्रोवाइडर चयन का काम वन ओटीटी कंपनी करेगी। इसके सहारे 20 लाख घरों तक हाईस्पीड ब्राडबैंड कनेक्टिविटी की सुविधा दी जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को प्रोजेक्ट गंगा (गवर्नमेंट असिस्टेड नेटवर्क फॉर ग्रोथ एडवांसमेंट) लांच करेंगे।

फायरिंग मामले में खान सर ने दायर की जमानत याचिका

- गार्ड्स की बेल पर सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित
- अपोजिशन के वकील बोले- जानबूझकर गोली चलवाई

पटना. फायरिंग मामले में खान सर ने पटना सिविल कोर्ट में सोमवार को अग्रिम जमानत याचिका दायर की है। कल यानी मंगलवार को इस पर सुनवाई होगी। गोली चलाने वाले दोनों गार्ड्स की बेल के लिए भी आज अप्लाई किया गया है।

कोर्ट में गार्ड्स की जमानत को लेकर ज्ञान बिंदु के वकील की ओर से विरोध किया गया। ज्ञान बिंदु के वकील की ओर से कहा गया है कि इरदातन गोली चलवाई गई थी। भीड़ हटाने के लिए फायरिंग नहीं हुई थी।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने दोनों गार्ड्स की केस डायरी और क्रिमिनल हिस्ट्री मांगी। दोनों की

जमानत पर अब 10 जून को सुनवाई होगी।

इधर, रौशन आनंद की जमानत पर भी कल यानी मंगलवार को कोर्ट अपना फैसला सुनाएगा। सुनवाई के दौरान खान के वकील ने बेल का विरोध किया। उन्होंने कहा कि पहले से इनका आपराधिक इतिहास है।

पुलिस ने खान सर के गार्ड्स के बयान पर उनके ऊपर हत्या की कोशिश और आर्म्स एक्ट का केस दर्ज किया है। पुलिस की FIR में बताया गया है कि खान सर ने गार्ड्स से कहा था- तुम गोली चलाओ बाकी मैं देख लूंगा।

भारत की टेस्ट क्रिकेट में सबसे बड़ी जीत

अफगानिस्तान को पारी और 300 रन से हराया

- मानव सुथार को 7 विकेट
- भारत की 186वीं टेस्ट जीत, वेस्टइंडीज को पीछे छोड़ा

भारत ने न्यू चंडीगढ़ में खेले गए टेस्ट मैच में अफगानिस्तान को पारी और 300 रन से हरा दिया। यह टेस्ट क्रिकेट में भारतीय टीम की अब तक की सबसे बड़ी जीत है। भारत की पिछली सबसे बड़ी जीत पारी और 272 रन के अंतर से थी। जो 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ राजकोट में मिली थी।

मैच के तीसरे दिन अफगानिस्तान की टीम दूसरी पारी में 112 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। इससे पहले भारत ने अपनी पहली पारी 564/8 के स्कोर पर घोषित कर दी थी। इसके जवाब में अफगानिस्तान की पहली पारी 152 रन पर सिमट गई थी और उसे फॉलोऑन खेलना पड़ा।

अफगानिस्तान की दूसरी पारी में वॉशिंगटन सुंदर ने 4 और कुलदीप यादव ने 3 विकेट लिए। डेब्यू मैच खेल रहे मानव सुथार और मोहम्मद सिराज ने 1-1 विकेट लिया। सुथार ने अफगानिस्तान की पहली पारी में 6 विकेट लिए थे। इस तरह उन्होंने मैच में 7 विकेट लिए।

भारतीय टीम ने टेस्ट क्रिकेट में 599 मैचों में 186वीं जीत हासिल की है। भारत ने सबसे ज्यादा टेस्ट मैच जीतने के मामले में वेस्टइंडीज को पीछे छोड़ दिया है। वेस्टइंडीज के नाम 592 मैचों में 185 जीत है। ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका भारत से आगे हैं। ऑस्ट्रेलिया ने 882 मैचों में 426 मैच जीते हैं। इंग्लैंड ने 1095 मैचों में 405 में जीत हासिल की है। वहीं, साउथ अफ्रीका ने 479 टेस्ट में 191 जीते हैं।

PoK में भड़की बगावत की आग, पुलिस-पब्लिक में भिड़ंत

- 7 की मौत, 5 दर्जन से ज्यादा घायल

पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (PoJK) में राजनीतिक असंतोष अब हिंसक रूप ले चुका है। चुनावी व्यवस्था में बदलाव की मांग को लेकर PoK के लोगों में भारी गुस्सा है। लोग अब सड़कों पर उतर आए हैं और पर्दशन कर रहे हैं। इस बीच, स्थानीय प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़प की खबरें हैं, जिसमें अब तक कम से कम सात लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 63 से अधिक लोग इस झड़प में घायल बताए जा रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, आंदोलनकारी संगठन Joint Army Action Committee (JAAC) के समर्थकों और पुलिस के बीच कई स्थानों पर हिंसक टकराव हुआ है। झड़पों में मरने वालों में तीन नागरिकों और चार पुलिसकर्मी शामिल हैं।

पाक की मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि जैसे-जैसे JAAC प्रदर्शनकारियों ने अपना आंदोलन तेज किया, क्षेत्रीय सरकार ने 'जॉइंट आर्मी एक्शन कमेटी' (JAAC) को आतंकवाद-रोधी कानूनों के तहत प्रतिबंधित संगठन घोषित कर दिया। लेकिन JAAC ने अपना आंदोलन जारी रखा हुआ है। इस कार्रवाई से भड़के JAAC ने अब कल यानी (मंगलवार, 9 जून को) पूरे इलाके में हड़ताल और बंद का आह्वान किया है।

इस बीच, रावलकोट के कमिश्नर सरदार वहीद ने समाचार एजेंसी AFP को बताया कि हिंसक झड़प में तीन आम नागरिकों की मौत हुई है और 40 लोग घायल हुए हैं। AFP के मुताबिक, झड़पों में पुलिस के चार जवान भी मारे गए और 23 अन्य जवान घायल हो गए हैं। वहीं पाकिस्तानी अखबार 'डॉन' ने पुलिस के हवाले से बताया कि जवानों पर आग्नेयास्तरों और शॉटगन से गोलियां चलाई गईं। इसलिए प्रशासन ने इस घटना को आतंकवादी हरकत करार दिया है। एक बयान में कहा गया है कि नागरिकों की सुरक्षा और सार्वजनिक शांति से कोई समझौता न करने का संकल्प लिया गया है।

मणिपुर के उखरुल में असम राइफल्स का विरोध

- जवानों का दावा- महिलाओं ने उन पर पेट्रोल डाला
- झड़प में 22 तंगखुल महिलाएं घायल

इंफाल. मणिपुर के उखरुल जिले के शोक्वाओ और न्यू हेवन इलाके में रविवार सुबह सैकड़ों महिलाएं असम राइफल्स के जवानों और वाहनों के आगे दीवार बनकर खड़ी हो गईं।

मशालें, लाठियां लिए ये तंगखुल नगा महिलाएं जवानों को आगे नहीं बढ़ने दे रही थीं। सैन्य

अधिकारियों ने चेतावनी दी। इसके बावजूद वे डटी रहीं और 'हमारी जमीन, हमारा अधिकार' नारे लगाती रहीं।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, जवानों ने पुलिस और मजिस्ट्रेट की गैरमौजूदगी में कई राउंड हवाई फायर किए और लाठीचार्ज किया। प्रदर्शन कर रही महिलाओं से धक्का-मुक्की भी की गई। हालांकि सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में जवानों ने यह दावा किया है कि विरोध कर रही महिलाओं ने उन पर पेट्रोल डालकर जलाने की कोशिश की।

रिपोर्ट्स में एक प्रदर्शनकारी के पैर पर गोली लगने का दावा किया गया। वहीं, 22 महिलाएं घायल हो गईं। इन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कौन हैं तंगखुल?

तंगखुल उत्तर-पूर्व भारत के प्रमुख नगा समुदायों में से एक हैं। वे मुख्य रूप से मणिपुर के उखरुल और कामजोंग जिलों में रहते हैं। उनकी आबादी का एक हिस्सा म्यांमार के सोमरा क्षेत्र में भी बसता है। यह समुदाय अपनी विशिष्ट भाषा, बुनाई, कृषि परंपराओं और सामुदायिक जीवन के लिए जाना जाता है। प्रदर्शन में शामिल अधिकांश महिलाएं थीं, जो न्यू हेवन क्षेत्र में असम राइफल्स की एक चौकी/आउटपोस्ट बनाए जाने का विरोध कर रही थीं।

रामलला के चढ़ावे में 7 करोड़ की चोरी का दावा

अयोध्या. राम मंदिर में आए चढ़ावे में चोरी के आरोप वाला मुद्दा तूल पकड़ता दिखाई दे रहा है। उत्तर प्रदेश के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने मंदिर में करोड़ों की चोरी के गंभीर आरोप लगाते हुए सरकार की चुप्पी को संदिग्ध बताया था। आरोप लगाने वालों की लिस्ट में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह का नाम भी जुड़ गया है। उन्होंने भाजपा और उनके लोगों को चंदा चोर कहा है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा- मंदिर से लगभग 7 करोड़ रुपये चोरी हुए हैं। इसके साथ ही मंदिर ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय को एक चुनौती भी दी है।

उल्हास विकास
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संक्षेप...

मुंबई एयरपोर्ट पर वन्य जीव तस्करी का भंडाफोड़

मुंबई. छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कस्टम विभाग ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए बैंकॉक से आए एक भारतीय यात्री के पास से 29 दुर्लभ और विदेशी जीव-जंतु बरामद किए हैं। मामले में यात्री को हिरासत में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

अधिकारियों के अनुसार, यात्री की गतिविधियां संदिग्ध लगने पर उसके सामान की जांच की गई। तलाशी के दौरान कई विदेशी प्रजातियों के जीव बरामद हुए, जिनमें गिब्बन, मेलानिस्टिक गिलहरी, बॉल पाइथन और इगुआना जैसे जीव शामिल थे। ये सभी जीव विशेष कंटेनरों में छिपाकर लाए जा रहे थे।

'तीसरी मुंबई' का मास्टर प्लान बनाएगी सिंगापुर की कंपनी

11.89
करोड़ की लागत से होगा पहले चरण का काम

324
वर्ग किमी में बसाया जाएगा नियोजित शहर

नवी मुंबई. नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट और अटल सेतु के नजदीक वाले इलाके में 324 वर्ग किलोमीटर में बसाए जाने वाले नियोजित शहर 'तीसरी मुंबई' के लिए ज़रूरी चीज़ें अब एक-एक करके पूरी हो रही हैं. इसके लिए जमीन अधिग्रहण का काम चल रहा है, और शहर के पहले चरण का मास्टर प्लान सिंगापुर की कंपनी 'सुरबाना जुरोंग इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड' तैयार करने का काम दिया गया है. जनवरी में दावोस में, एमएमआरडीए और सिंगापुर की कंपनी ने मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन में कई डेवलपमेंट सेंटर्स के मास्टर प्लान बनाने के लिए एक करार पर साइन किए थे, जिसमें 'मुंबई 3.0' भी शामिल था. जिसे महाराष्ट्र सरकार ने इस व्यवस्था को मंज़ूरी दे दी और कंपनी को सरकारी स्तर पर कंसल्टेंट के तौर पर काम पर रखने पर सहमति जताई.

व्यापार और निवेश की ओर करेगा आकर्षित

जमीन मालिकों के पास मुआवज़े के कई विकल्प हैं, जैसे नकद मुआवजा, एफएसआरआई या टीडीआर, या फिर विकसित जमीन में से अपनी जमीन का 22.5% हिस्सा. आधिकारिक तौर पर 'करनाला-साई-चिरनेर (केएससी) न्यू टाउन' कहलाने वाला 'तीसरी मुंबई' प्रोजेक्ट राजगढ़ जिले में 323.44 वर्ग किलोमीटर के इलाके में फैला है. इसमें उरण, पनवेल और पेण तहसीलों के 124 गांव शामिल हैं. इसका नाम इस इलाके के अहम गांवों के नाम पर रखा गया है. अटल सेतु और नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास होने की वजह से, 'तीसरी मुंबई' को एक ऐसे शहरी केंद्र के तौर पर प्लान किया गया है जो बिज़नेस और इन्वेस्टमेंट को आकर्षित करेगा.

जमीन अधिग्रहण का काम शुरू हो चुका

मास्टर प्लान का पहला चरण 11.89 करोड़ रुपये की लागत से पूरा किया जाएगा। इसके बाद, शहरी विकास विभाग की मंजूरी मिलने पर 23.12 करोड़ रुपये की लागत से दूसरे चरण की प्लानिंग शुरू होगी. साथ ही, ज़मीन के इस्तेमाल की योजना (लैंड यूज़ प्लान) भी तैयार की जा रही है. इसमें यह देखा जा रहा है कि रायगढ़ जिले की उरण, पनवेल और पेण तहसीलों के 124 गांवों में फैली केएससी न्यू टाउन की जमीन का अभी कैसे इस्तेमाल हो रहा है अधिकारियों के मुताबिक, जेएनपीटी के पास होने की वजह से इस इलाके के बड़े हिस्से का इस्तेमाल अभी खेती और गोदामों के लिए किया जा रहा है. जमीन अधिग्रहण का काम भी चल रहा है. एमएमआरडीए ने अप्रैल में जमीन मालिकों से सहमति लेने की ऑनलाइन प्रक्रिया शुरू कर दी थी ताकि काम आसान और तेज़ी से हो सके.

अधिक मुनाफे का लालच देकर बुजुर्ग से 14.91 लाख रुपए की साइबर ठगी

भिवंडी. अशोक नगर निवासी एक वरिष्ठ नागरिक को ऑनलाइन निवेश पर ज्यादा मुनाफे का लालच देकर करीब 15 लाख रुपए की ठगी की गई है। शांति नगर पुलिस ने अज्ञात साइबर ठग के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, प्रभुकुंज इमारत में प्रवीण कुमार हरीश्चंद्रराय अग्रवाल रहते हैं। उन्होंने शांति नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत में बताया कि मार्च 2026 के दौरान एक अज्ञात व्यक्ति ने फेसबुक के माध्यम से उनसे संपर्क किया। आरोपी ने अधिक लाभ मिलने का झांसा दिया और ठगी की।

कल्याण में रिक्शा चालक से मारपीट

- घटना का वीडियो वायरल

कल्याण. कल्याण रेलवे स्टेशन के सामने छोटी सी बात पर बड़ा झगड़ा सामने आया है। जिसमें एक रिक्शा ड्राइवर और कुछ युवकों के बीच किराए के मुद्दे पर हुआ झगड़ा लड़ाई में बदल गया। यह घटना CCTV में कैद हो गई और वीडियो भी सामने आ गया है।

मिली जानकारी के मुताबिक, कल्याण रेलवे स्टेशन इलाके में एक रिक्शा ड्राइवर और कुछ युवकों के बीच किराए के मुद्दे पर कहासुनी हो गई। हालांकि, कुछ ही देर में यह झगड़ा लड़ाई में बदल गया। इस बार पता चला कि कुछ युवकों के ग्रुप ने रिक्शा ड्राइवर की पिटाई कर दी।

इस बीच, घटना की जानकारी मिलने पर महात्मा फुले पुलिस स्टेशन की पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को काबू में किया। पुलिस इलाके के CCTV फुटेज चेक कर रही है और उसके आधार पर संबंधित लोगों की पहचान करने में जुटी है। फिलहाल, पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है और इस घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई है और तनाव का माहौल बन गया है।

सुरक्षा का गंभीर मुद्दा

कल्याण स्टेशन इलाके में हुई इस घटना से कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा हो रही है। कल्याण स्टेशन इलाके में लगातार चोरी, लूटपाट, झगड़े और यात्रियों को परेशान करने की घटनाएं हो रही हैं। नागरिक ऐसी घटनाओं की बार-बार शिकायत कर रहे हैं और पुलिस से इन घटनाओं को रोकने के लिए गश्त बढ़ाने की मांग कर रहे हैं।
इस घटना की वजह से कल्याण स्टेशन इलाके में कानून-व्यवस्था का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में आ गया है, और नागरिक दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री शिंदे की पत्नी ने मरीजों का जाना हालचाल

उल्हासनगर. कोविड काल के दौरान उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की पत्नी लता एकनाथ शिंदे ने सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे की संकल्पना पर बने उल्हासनगर महानगरपालिका के सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने मरीजों का हालचाल पूछा और उनकी सेवा कर रहे डॉक्टरों की तत्परता की प्रशंसा की। म्हारल में आम आदमी को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के उद्देश्य से सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे के विशेष प्रयासों से यह अस्पताल बनाया गया है। लता शिंदे ने अस्पताल का दौरा कर उसका निरीक्षण किया और वहां की उत्कृष्ट व्यवस्था पर अपनी सच्ची संतुष्टि व्यक्त की।

उन्होंने डॉ. संजीत पॉल, नर्सों और अस्पताल में कार्यरत सभी कर्मचारियों की भी जिस तत्परता से वे सेवा प्रदान कर रहे हैं, उसके लिए प्रशंसा की और उनकी पीठ थपथपाई। लता शिंदे ने मरीजों को भरोसा दिलाया और उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना की।

ठाणे मनपा मुख्यालय के शहर विकास विभाग ऑफिस लगी आग

- कोई हताहत नहीं

ठाणे. मनपा मुख्यालय की चौथी मंज़िल पर शहर विकास विभाग ऑफिस में सोमवार सुबह करीब 8 बजे आग लग गई। सिक्योरिटी गार्ड, फायर ब्रिगेड और आपदा प्रबंधन की तुरंत कार्रवाई और सावधानी बरतने से आग पर जल्दी काबू पा लिया गया।मनपा ने बताया है कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ।शुरुआती जानकारी के मुताबिक,विभाग में लगे अलार्म सिस्टम की आवाज़ सुनकर सिक्योरिटी गार्ड तुरंत शहर विकास विभाग पहुंचे। वहां धुआं देखकर फायर एक्सटिंग्विशर की मदद से आग बुझाने की कोशिश की गई। साथ ही, डिपार्टमेंट की

पावर सप्लाई काट दी गई और फायर ब्रिगेड और आपदा प्रबंधन टीम को इन्फॉर्म किया गया।सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और आपदा प्रबंधन टीम के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे। सभी सिस्टम के तालमेल से आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया।अनुमान है कि आग में कंप्यूटर का UPS, कुछ कंप्यूटर और कुछ डॉक्यूमेंट्स को नुकसान हुआ है। हालांकि, एडमिनिस्ट्रेशन ने साफ किया है कि मनपा का ई-ऑफिस सिस्टम चालू होने से ज़्यादातर डॉक्यूमेंट्स फिर से मिल जाएंगे। साथ ही, ऑफिस में दूसरे ज़रूरी डॉक्यूमेंट्स सुरक्षित हैं और उन्हें कोई नुकसान नहीं हुआ है।आग लगने के कारण और नुकसान की सही हद का पता लगाने के लिए जांच चल रही है और ज़रूरी जानकारी इकट्ठा की जा रही है। इस बीच, आग पर काबू पाने के बाद, इलाके की सफाई कर दी गई है और शहर विकास विभाग का काम फिर से शुरू हो गया है।

लुटेरों और चेन स्नैचरों की गैंग का पर्दाफाश

- 52 लाख का कीमती सामान ज़ब्त,
- 24 वारदात का खुलासा

ठाणे। पुलिस कमिश्नरेट में बस यात्रा के दौरान यात्रियों के कीमती सामान चुराने और लूटपाट की बढ़ती घटनाओं के खिलाफ क्राइम ब्रांच, यूनिट-1 ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार कैदियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने 52 लाख 34 हजार 100 रुपये का कीमती सामान ज़ब्त किया है और 24 वारदात का खुलासा करने में कामयाबी हासिल की है।गिरफ्तार आरोपियों में सऊद

सिराज खान उर्फ सऊद काले (25) और स्वप्निल हरीश माधवानी उर्फ बाबू खरखटया (20) शामिल हैं, जो लूटपाट करते थे। पुलिस ने महिला आरोपी संगीता दशरथ पीठकर (45) और सुरेखा बजरंग गायकवाड़ (47) को भी गिरफ्तार किया है, जो बस यात्रा के दौरान यात्रियों के सोने के गहने चुराती थीं।ऑपरेशन के दौरान, आरोपियों से 32 तोले सोने के गहने, 5 मोटरसाइकिल, एक बंदूक, एक ज़िंदा कारतूस और एक धारदार चाकू ज़ब्त किया गया। ज़ब्त किए गए सामान की कुल कीमत 52.34 लाख रुपये है।जांच में पता चला कि इस गैंग ने ठाणे, मुंबई, नवी मुंबई और पुणे पुलिस कमिश्नरेट की सीमाओं में अलग-अलग जगहों पर चोरी और ज़बरदस्ती की वारदातें की थीं। आरोपियों से कुल 24 वारदातों का पता चला है, जिसमें पुणे ज़िले के कलवा, मुंब्रा, नौपाड़ा, चितलसर, नारपोली, रबाले, तुर्भे, उरण, राबोडी और वडगांव मावल पुलिस थानों में हुई वारदातें शामिल हैं। यह शानदार ऑपरेशन जॉइंट कमिश्नर ऑफ़ पुलिस (क्राइम) पंजाबराव उगले, डिप्टी कमिश्नर ऑफ़ पुलिस (क्राइम) अमरसिंह जाधव और असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ़ पुलिस (सर्च-1) शेखर बागड़े की गाइडेंस में किया गया।

ठाणे ग्रामीण पुलिस अधीक्षक डॉ. विनय कुमार राठौड़ का पुष्प गुच्छ देकर सम्मान करते हुए आरटीआई कार्यकर्ता अनील महाडिक, वरिष्ठ पत्रकार मुनीर अहमद मोमिन, धर्मेंद्र उपाध्याय, धीरेंद्र उपाध्याय, सुदाम खारकर आदि।

आम सूचना

मैं श्री मनोहर जी. पंजवानी सभी को सूचित कर रहा हूं कि शॉप नं. 43-ए, ग्राऊंड फ्लोर, साई आर्केड, प्लाट नं. 405, प्रभात टॉकीज, नेताजी रोड, उल्हासनगर- 5. (टैक्स नं. 52डीआय013233700) उक्त प्रॉपर्टी श्री श्रीचंद आर. सचदेव के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 29.3.2003 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री मनोहर जी. पंजवानी

आम सूचना

मैं श्री मनोहर गुरदासमल पंजवानी सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम नं. 10, बैरक नं. 1936, ओटी सेक्शन, उल्हासनगर- 5. (टैक्स नं. 57डीआय012037900) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती कोमल श्रीचंद जग्यासी के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 12.6.2025 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री मनोहर गुरदासमल पंजवानी

आम सूचना

हम श्री मनोहर गुरदासमल पंजवानी, श्रीमती भारती मनोहर पंजवानी व श्रीमती हिना दिलीप वाधवा सभी को सूचित कर रहे हैं कि रुम नं. 13, बैरक नं. 1823, उल्हासनगर- 5 (टैक्स नं. 54डीआय018668200) उक्त प्रॉपर्टी श्री रमेशकुमार पहलाजराय नागरानी से सेल एग्रीमेंट 2.6.2026 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री मनोहर गुरदासमल पंजवानी, श्रीमती भारती मनोहर पंजवानी व श्रीमती हिना दिलीप वाधवा

आम सूचना

मैं श्रीमती सरस्वती बालू पारडाले सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, बैरक नं. 1638 के पास, श्रीराम नगर, सेक्शन 28, शोभा मैकेनिकल कंपनी के पास, उल्हासनगर- 4 (टैक्स नं. 47सीआय010898700) उक्त प्रॉपर्टी श्री जयराम बी. पारडाले, जयश्री टी. चव्हाण, संध्या जे. पारडाले, मंगल विक्रम केतकर व सुशीला विष्णु चव्हाण ने रिलीज एग्रीमेंट दि. 7.6.2026 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती सरस्वती बालू पारडाले

आम सूचना

मैं श्रीमती उज्जवला अनिल मडके सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, महादेव नगर, पेंसिल फैक्ट्री रोड, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 44सीओ010052600) उक्त प्रॉपर्टी श्री अर्जुन मधुकर देशमुख के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 3.6.2026 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती उज्जवला अनिल मडके

आम सूचना

मैं श्री मोहित अनिल छाजलाने सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, बैरक नं. 1101 के पीछे, ओटी सेक्शन, उल्हासनगर- 3. (टैक्स नं. 37बीओ006666000) उक्त प्रॉपर्टी श्री अनिलकुमार दीपचंद छाजलाने के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 20.3.2026 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री मोहित अनिल छाजलाने

आम सूचना

मैं श्री संग्राम हिरामन चौधरी सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, विट्ठल तरे चाल, गीता कॉलोनी, वीटी ग्राऊंड के पीछे, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 44सीओ013625100) उक्त प्रॉपर्टी श्री उमेश रंगाप्पा गौडा के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 17.7.2025 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री संग्राम हिरामन चौधरी

नर्स के ड्रेस को रिडिजाइन करने की जरूरत : कंगना

कंगना रनौत की फिल्म आ रही है भारत भाग्य विधाता। इस फिल्म में कंगना ने एक नर्स का किरदार निभाया है। अब कंगना ने फिल्म के प्रमोशन के दौरान नर्स के ड्रेस कोड को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि अभी तक नर्स की जो यूनिफॉर्म होती है उसमें ब्रिटिश इन्फ्लुएंस दिखता है और इन्हें रीडिजाइन करने की जरूरत है।

एएनआई को दिए इंटरव्यू में कंगना ने कहा कि डॉक्टर्स के जो कपड़े होते हैं वो सही हैं फ्लेक्सिबल, लेकिन नर्स का अभी भी ट्रेडिशनल यूनिफॉर्म स्टाइल है।

कंगना ने कहा, 'मुझे लगता है जो ड्रेस कोड है ब्रिटिश नर्स का वो अब भी है। हमारी नर्स, डॉक्टरों की तरह, जो चाहें पहन सकते हैं; उन्हें एक कोड दिया जाता है। लेकिन हमारी नर्स चाहे ठंड हो या गर्मी, एक विदेशी लुक होता है। यह मेरा पर्सनल ओपीनियन है। लेकिन इस फिल्म में हमने हमने ईमानदारी और गरिमा के साथ काम किया है। शेप और साइज मैटर नहीं करता, आपकी यूनिफॉर्म आपकी ड्यूटी है।'

कंगना ने बताया कि क्यों उन्हें लगता है कि जो फिलहाल डिजाइन है उसका ऐतिहासिक वेस्टर्न इन्फ्लुएंस है।

कंगना ने कहा, 'मुझे पर्सनली लगता है कि यह काफी ब्रिटिश लुक है। पिन लगाना, कैप लगाना या यूनिफॉर्म के ऊपर बेल्ट लगाना यह सब यूएस नेवी से इन्फ्लुएंस हैं। ऐसा लुक वर्ल्ड वॉर 1 और वर्ल्ड वॉर 2 के दौरान दिखा था। फ्यूचर में इसे थोड़ा इंडियन लुक में लाना चाहिए जो पॉजिटिव चेंज होगा।'

भारत भाग्य विधाता फिल्म की बात करें तो यह एक सच्ची घटना पर आधारित है 26/11 आतंकी अटैक के दौरान की। इसमें दिखाया गया है कि कैसे जब आतंकवादी अस्पताल में घुस जाते हैं तब अस्पताल के वर्कर्स ने 400 मरीजों को बचाया।

ज़रूरी फ़ाइलें जलीं या सबूत?

- शहर विकास विभाग में आग पर कांग्रेस ने उठाए गंभीर सवाल

ठाणे. मनपा के शहर विकास जैसे अहम विभाग में आग लगने की घटना पर कांग्रेस ने कड़ा रुख अपनाया है और सत्तापक्ष पर गंभीर सवाल उठाए हैं। मनपा की अलग-अलग बिल्डिंग्स में बार-बार आग लगने की घटनाएं शक पैदा कर रही हैं, और कांग्रेस ने मांग की है कि इस मामले की निष्पक्ष जांच की जाए और सभी जली हुई फ़ाइलों का ऑडिट किया जाए। घटना के बाद, कांग्रेस के पदाधिकारियों ने मौके पर जाकर जांच की। इस मौके पर उन्होंने कहा की शहर विकास विभाग का सबसे अहम विभाग है। कांग्रेस का कहना है कि यहां फिर से आग लगना बहुत गंभीर मामला है क्योंकि डेवलपमेंट प्लान, कंस्ट्रक्शन परमिट, रिजर्वेशन और दूसरे ज़रूरी डॉक्यूमेंट्स इसी विभाग से जुड़े हैं।कांग्रेस के मुताबिक,मनपा के अलग-अलग ऑफिसों में पहले भी आग लगने की घटनाएं हो चुकी हैं। हालांकि, हर घटना के बाद जांच की घोषणा तो कर दी जाती है, लेकिन लोगों को सही नतीजे के बारे में नहीं बताया जाता। इसलिए, इस घटना को सिर्फ़ एक हादसा नहीं माना जा सकता और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच ज़रूरी है, ठाणे ज़िला शहर कांग्रेस के अध्यक्ष राहुल पिंगले ने समझाया। कांग्रेस ने कहा है कि अगर मनपा की बिल्डिंग्स में बार-बार आग लग रही है, तो यह एडमिनिस्ट्रेशन के लिए एक चेतावनी है।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099